मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 307
बुधवार, 27 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पीएम मोदी को गरीब नहीं, विदेश यात्रा प्यारीः मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 26 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बीच सरकार गरीबों की समस्याओं का समाधान करने में अक्षम है। यह बयान दो सप्ताह से भी कम समय में चौथी बार ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद आया है, जिसमें सोमवार को पूरे भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गईं। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और ईंधन की कीमतों पर चिंता जताई।

खरगे ने कहा कि इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी इन मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहते और देश को बर्बाद करना चाहते हैं। वे देश के लिए बलिदान देने का दावा करते हैं। अगर महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ती रही तो कारखाने बंद हो जाएंगे। फिर क्या होगा? देश के लोग इस सरकार से नाराज हैं। यह सरकार गरीबों की समस्याओं को हल करने में असमर्थ है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इस मुद्दे पर ध्यान नहीं देती, न ही देश के हित में क्या है, इस पर विचार करती है। यह मामला सिर्फ आज का नहीं है। सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह समस्या बढ़ती ही जा रही है। क्या वे देश चलाना चाहते हैं या पर्यटक बनकर विभिन्न देशों की सैर करना चाहते हैं?

इसी दिन इससे पहले, खरगे ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। पर एक पोस्ट में, उन्होंने प्रशासन पर ईंधन करों और मूल्य वृद्धि से मुनाफा कमाकर आम आदमी पर बोझ डालने का आरोप लगाया। खरगे ने मुद्रास्फीति और ईंधन की कीमतों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, ह्रहाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या। प्रेस सूचना ब्यूरो के एक बयान के आंकड़ों का हवाला देते हुए, खरगे ने बताया कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने 26 मई, 2014 को पदभार संभाला था, तब कच्चे तेल की कीमत 108.05 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी और रुपये-डॉलर की विनिमय दर 58.59 रुपये थी। उस समय पेट्रोल की कीमत 71.51 रुपये और डीजल की कीमत 56.71 रुपये प्रति लीटर थी। उन्होंने कहा कि आज कच्चे तेल की कीमत 99 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से कम है, लेकिन पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्रमशः 102.12 रुपये और 95.20 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे शब्दों में, कच्चा तेल सस्ता हो गया है, लेकिन पेट्रोल लगभग 42.8 प्रतिशत और डीजल लगभग 67.9 प्रतिशत महंगा हो गया है।

कर्नाटक में सीएम बदलने की अटकलों को कांग्रेस ने किया खारिज

कर्नाटक, 26 मई। कर्नाटक में सत्ता संघर्ष की नई खबरों के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य के मुख्यमंत्री में बदलाव की किसी भी बात को खारिज कर दिया है। इंदिरा भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री परिवर्तन की अटकलों का खंडन किया। वेणुगोपाल ने कहा कि आप लोग जो भी अटकलें लगा रहे हैं, वे केवल अटकलें हैं। उनमें कोई सच्चाई नहीं है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मंगलवार को उच्चायोग के साथ हुई बातचीत में कर्नाटक की राज्यसभा और विधानसभा सीटों के आगामी चुनावों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आज हमने कर्नाटक की राज्यसभा और विधानसभा सीटों पर चर्चा की। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और झारखंड जैसे अन्य राज्यों की सीटों के साथ ही कर्नाटक की राज्यसभा और विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। बस इतना ही। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के कांग्रेस नेतृत्व से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचने के बाद वहां नेतृत्व परिवर्तन की चचाएं फिर से तेज हो गईं।

सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राज्यसभा में जाने पर विचार करने का सुझाव दिया है। राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही नई राजनीतिक हलचल के बीच यह सुझाव दिया गया है। हालांकि, खबरों के अनुसार, कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को बताया कि उनकी राष्ट्रीय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए समय मांगा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला समेत कई अन्य लोग बैठक में उपस्थित थे। राज्य में सत्ता परिवर्तन की अटकलों के बीच, कांग्रेस नेतृत्व ने इन अटकलों को तुरंत खारिज कर दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने नेतृत्व परिवर्तन पर किसी भी चर्चा की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि बैठक में केवल आगामी राज्यसभा और कर्नाटक विधान परिषद चुनावों पर ही ध्यान केंद्रित किया गया।

बातचीत से पहले इजराइल का लेबनान पर बड़ा हमला, 12 लोगों की मौत

इजराइल, 26 मई। पूर्वी लेबनान के एक गांव पर इजराइल के हवाई हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सरकारी 'नेशनल न्यूज एजेंसी' ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लेबनान के बेका घाटी क्षेत्र में सोमवार देर रात किए गए इस हमले से पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि उन्होंने लेबनान में हिजबुल्ला आतंकवादी समूह को निशाना बनाकर और अधिक तीव्र हमले करने का फैसला किया है। इजराइली सेना ने इस विशेष हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन उसने सोमवार को कहा था कि वह पूर्वी लेबनान में हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे को निशाना बना रही है।

बचावकर्मियों ने बताया कि दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के बड़े हिस्सों को निशाना बनाकर रातभर किए गए भीषण हमलों के बाद मलबे से 12

शव निकाले गए। लेबनान और इजराइल के सैन्य प्रतिनिधिमंडलों की वाशिंगटन में होने वाली सीधी बातचीत से तीन दिन पहले ये हमले किए गए। हिजबुल्ला दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैनिकों और उत्तरी इजराइल के कस्बों पर हमले कर रहा है। उसने कहा है कि जब तक इजराइल अपने दैनिक हवाई हमले बंद नहीं करता और देश से अपने सैनिक नहीं हटाता, तब तक वह लड़ाई जारी रखेगा। लेबनान सरकार को उम्मीद है कि हिजबुल्ला के विरोध के बावजूद इजराइल के साथ सीधी बातचीत से संघर्षविराम का रास्ता निकलेगा। इस युद्ध में लेबनान में 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। यह युद्ध दो मार्च को ईरान के समर्थन में हिजबुल्ला द्वारा उत्तरी इजराइल पर रॉकेट दागे जाने के बाद शुरू हुआ था।

नौतपा की आग पर भारी पड़ी आस्था, गंगा की गोद में उतरी काशी की सांसें

- भोर से सुबह नौ बजे तक तीन लाख श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी
- 84 घाटों पर उमड़ा जनसैलाब, 51 बटुकों संग हुआ मां गंगा का दुग्धाभिषेक, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजी काशी

सुरेश गांधी

वाराणसी। नौतपा की तपती सुबह थी, आसमान से आग बरस रही थी, लेकिन काशी के घाटों पर मंगलवार को एक अलग ही ताप था– वह ताप था आस्था का, श्रद्धा का और सनातन परंपरा के उस भाव का, जो हर वर्ष गंगा दशहरा पर काशी को एक विराट आध्यात्मिक उत्सव में बदल देता है। भोर की पहली रेखा फूटने से पहले ही गंगा तट पर मानव सागर उमड़ पड़ा। चार बजे से लेकर सुबह नौ बजे तक

करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने मां गंगा की गोद में उतरकर पुण्य की डुबकी लगाई।

घाटों पर ऐसा दृश्य था मानो काशी जागी नहीं, बल्कि स्वयं गंगा ने उसे पुकार लिया हो। दशाश्वमेध से लेकर अस्सी तक, पंचगंगा से लेकर मणिकर्णिका और शीतला घाट तक हर ओर श्रद्धालुओं का सैलाब दिखाई दिया। हाथों में फूल, दीप, कलश और मन में आस्था लिए श्रद्धालु गंगा तट पर पहुंचे। गंगा की लहरों के बीच गूंजते हर-हर महादेव और गंगा मैया की जय के स्वर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रहे थे। मतलब साफ है काशी के घाटों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां केवल गंगा नहीं बहतीं, यहां सदियों से आस्था बहती है, परंपराएं बहती हैं और बहती है भारतीय संस्कृति की अमर चेतना।

गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य किया और फिर मां अन्नपूर्णा व बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए मंदिरों की ओर बढ़ गए। काशी की गलियों में भी श्रद्धा के कदम थमते नहीं दिखे। मंदिरों के बाहर लंबी कतारें और घंटियों की ध्वनि के बीच पूरा शहर मानो भक्ति के रंग में रंग गया। गंगा दशहरा के इस महापर्व पर घाटों पर विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन हुआ। पूर्व मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक नीलकंठ तिवारी ने 51 बटुकों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर विधिवत पूजन किया। 51 बटुकों द्वारा एक साथ किया गया वैदिक अनुष्ठान श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। मंत्रों की गूंज, गंगा की कलकल और श्रद्धा की तरंगों ने पूरे घाट क्षेत्र को आध्यात्मिक लोक में परिवर्तित कर दिया। गंगा दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आस्था, अध्यात्म और सनातन संस्कृति के विराट उत्सव के रूप में साकार होता दिखाई दिया। भोर की पहली किरण के साथ ही काशी के घाटों पर श्रद्धा की ऐसी अविरल धारा बही, मानो स्वयं मां गंगा अपने भक्तों को आलिंगन देने धरती पर उतर आई हों। नौतपा की प्रचंड तपिश भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी। सुबह चार बजे से नौ बजे तक करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। सूर्योदय से पहले ही दशाश्वमेध, अस्सी, राजेंद्र प्रसाद, शीतला, पंचगंगा और मणिकर्णिका सहित काशी के 84 घाट श्रद्धालुओं की भीड़ से भर उठे। गंगा की लहरों के किनारे दीप, फूल, आरती और मंत्रोच्चार का दृश्य ऐसा प्रतीत हो रहा था, जैसे पूरी काशी आध्यात्मिक चेतना के किसी विराट अनुष्ठान में डूब गई हो। घाटों पर हर-हर महादेव और गंगा मैया के जयघोष की अनुगूंज वातावरण को भक्तिमय बना रही थी।

चीन-पाक की जुगलबंदी पर भारत की 'खरी-खरी

नई दिल्ली/बीजिंग, 26 मई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की चीन यात्रा के दौरान जारी किए गए 'ज्वाइंट स्टेटमेंट' पर भारत ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का जिक्र करने पर भारत ने चीन और पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए स्पष्ट किया है कि ये दोनों केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं और हमेशा रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने दो टूक शब्दों में कहा है कि किसी भी दूसरे देश को भारत के आंतरिक मामलों पर कमेंट करने का कोई अधिकार नहीं है।

विदेश मंत्रालय ने तथाकथित चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के प्रोजेक्ट्स पर भी गहरी आपत्ति जताई है। भारत का कहना है कि ये प्रोजेक्ट्स भारत के संप्रभु इलाके में हैं।

भारत ने चीन और पाकिस्तान के उन तमाम कदमों को खारिज कर दिया है, जो पाकिस्तान के इन इलाकों पर गैर-कानूनी और जबरदस्ती के कब्जे को सही ठहराने की कोशिश करते हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय एकता से खिलवाड़ करने वाली ये बातें चीनी और पाकिस्तानी अधिकारियों को कई बार साफ-साफ बताई जा चुकी हैं।

चीन और पाकिस्तान के बीच 'ट्रांस-बाउंड्री वॉटर रिसोर्स कोऑपरेशन' के जिक्र को भारत ने पूरी तरह हास्यास्पद करार दिया है।

पीएम कार्नी के भारत दौरे से रिश्ते का नया अध्याय हुआ शुरू, संबंध होंगे मजबूतः पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 26 मई। इंटरनेशनल डेस्कः भारत और कनाडा के बीच कड़वाहट भरे रिश्तों में अब एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसे द ग्रेट रिसेट कहा जा रहा है। भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस समय कनाडा के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ मुलाकात की। गोयल ने विश्वास जताया है कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की हालिया भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच संबंधों की पूरी रूपरेखा बदल

दी है और अब दोनों पक्ष 2026 तक मुक्त व्यापार समझौते तक पहुँचने के लिए बेहद उत्सुक हैं।

उल्लेखनीय है कि 2010 से चल रही व्यापार वार्ताएँ 2023 में तब रुक गई थीं, जब कनाडा सरकार ने ब्रिटिश कोलंबिया में एक सिख कार्यकर्ता की हत्या में भारत की भूमिका का आरोप लगाया था। हालांकि, 2025 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मार्क कार्नी ने भारत के साथ संबंधों को सुधारना अपनी प्राथमिकता बनाया। मार्च में उनकी मुंबई और नई दिल्ली की यात्रा आठ वर्षों में किसी कनाडाई प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा थी, जिसमें उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch: 101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch: Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW: 7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

-ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को ह्लनिरस्त्रह्व करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला जाएगा तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए।

साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह मानव सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे।

मार्क कार्नी की भारत यात्रा के बाद से ही भारत-कनाडा संबंध सुधरने लगे है

अशोक भाटिया

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की 27 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को पूरी तरह से नया मोड़ दे दिया था। यह आठ वर्षों में किसी कनाडाई प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी, जिसका मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में कड़वाहट को भुलाकर रणनीतिक साझेदारी को फिर से मजबूत करना था` भारत में निवेश बढ़ाने के लिए कार्नी मुंबई में बड़े उद्योगपतियों और निवेशकों से भी मिले। इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर चर्चा हुई । दरअसल कनाडा पहले से भारत में निवेश कर रहा है और अब इस हिस्सेदारी को और बढ़ाना चाहता है।

कार्नी की यात्रा से पहले कनाडा के कुछ अधिकारियों के बयान चर्चा में रहे थे । पहले कनाडा ने आरोप लगाया था कि भारत उसकी जमीन पर हस्तक्षेप कर रहा है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल दे रहा है। लेकिन बाद में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर ऐसा गंभीर खतरा होता, तो प्रधानमंत्री भारत की यात्रा नहीं करते। इससे संकेत मिलता है कि ओटावा अब रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है। भारतीय आंकड़ों के अनुसार कुल द्विपक्षीय व्यापार करीब 1।2 लाख करोड़ रुपये के आसपास है।भारत से कनाडा को मुख्य रूप से दवाइयां, टेलीफोन उपकरण, ऑटो पार्ट्स, ज्वेलरी, कपड़े, इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स और समुद्री उत्पाद निर्यात होते हैं। वहीं कनाडा से भारत को कोयला, वुड पल्प, आयरन, दालें, लकड़ी, कागज और खनन से जुड़े उत्पाद मिलते हैं। भारत में 600 से अधिक कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। कनाडा के बड़े पेंशन फंड रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में लगभग 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश कर चुके हैं। अब दोनों देश इस निवेश को और बढ़ाने पर जोर देते रहे थे । इस दौरे का सबसे अहम मुद्दा ऊर्जा माना जा रहा था । दोनों देशों के बीच यूरेनियम सप्लाई समझौते पर बातचीत हुई । लगभग 10 साल के लिए 2।8 अरब कनाडाई डॉलर का यूरेनियम सौदा होने की संभावना जताई गई , जिससे भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को ईंधन मिल सके।इसके अलावा भारी कच्चे तेल, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) और अन्य ऊर्जा उत्पादों में सहयोग बढ़ाने की योजना है। कनाडा प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है, जबकि भारत को अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए भरोसेमंद और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की जरूरत है। 2024 में कनाडा के कुल ऊर्जा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी केवल 761.5 मिलियन डॉलर थी, जबकि भारत से आयात 206 मिलियन डॉलर रहा। अब इस हिस्सेदारी को बढ़ाने का लक्ष्य है।

दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पहले ही उच्च स्तरीय बातचीत कर चुके थे । कूटनीतिक और कानून-प्रवर्तन संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति पर सहमति बनी है, ताकि सुरक्षा सहयोग मजबूत हो सके।अक् क्वांटम कंप्यूटिंग, शोध और शिक्षा के क्षेत्र में भी साझेदारी बढ़ाने की योजना है। इससे केवल व्यापार ही नहीं, बल्कि सामाजिक और वैज्ञानिक सहयोग भी बढ़ने की आशा व्यक्त की गई थी ।

उएढअ(व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) यानी वस्त्र, सेवाएं, निवेश, कृषि और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों को कवर करेगा। पिछले साल जी-7 शिखर सम्मेलन में कार्नी और मोदी के बीच मुलाकात में इसे फिर से शुरू करने पर सहमति बनी थी। लक्ष्य है कि अगले लगभग 12 महीनों में इस समझौते को अंतिम रूप दिया जाए और 2030 तक व्यापार को 50-70 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए। गौरतलब है कि 2023 में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या के बाद दोनों देशों के रिश्ते काफी खराब हो गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों पर आरोप लगाए, जिसे भारत ने पूरी तरह खारिज कर दिया।2024 में कनाडा ने छह भारतीय अधिकारियों को निष्कासित किया। भारत ने भी जवाबी कदम उठाए और वीजा सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। व्यापार मिशन रद्द हुए और उएढअ वार्ता ठप पड़ गई।मार्च 2025 में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद रिश्तों को सुधारने की कोशिश शुरू हुई। भारत के कनाडा में उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कहा है कि यह दौरा संबंधों को रीसेट करने का मौका है।

2021 की जनगणना के अनुसार, कनाडा में 83।6 लाख लोग विदेश में जन्मे हैं, जो कुल आबादी का करीब 23% है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, कनाडा में लगभग 16 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं। पाकिस्तानी मूल के करीब 3 लाख लोग भी वहां बसे हैं।2025 के पहले दस महीनों में कनाडा ने 2,831 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाला। पिछले साल कुल 18,785 लोगों को निकाला गया, जिनमें भारतीय दूसरे नंबर पर थे। अभी 29,542 लोगों पर कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें 6,515 भारतीय शामिल हैं। सरकार के अनुसार, कई मामलों में आपराधिक गतिविधियां या शरण नियमों का उल्लंघन कारण रहे।

1947 में भारत की आजादी के बाद दोनों देशों के औपचारिक संबंध शुरू हुए। 1974 के परमाणु परीक्षण के बाद तनाव बढ़ा और परमाणु सहयोग रुका। 1985 में एअर इंडिया फ्लाइट 182 विस्फोट से भी रिश्तों पर असर पड़ा। 2010 में मनमोहन सिंह के दौरे के दौरान परमाणु सहयोग समझौता हुआ। 2015 में प्रधानमंत्री मोदी के कनाडा दौरे में कई समझौते हुए। 2023 के बाद फिर तनाव आया, जिसे अब कम करने की कोशिश हो रही है। मार्क कार्नी का यह दौरा सिर्फ औपचारिक यात्रा नहीं थी , बल्कि दोनों देशों के लिए एक नया मौका रहा । व्यापार, ऊर्जा और तकनीक में सहयोग बढ़ाने की संभावना बनी । साथ ही पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर भरोसा बहाल करने की भी जरूरत बनी ।

अब बात को आगे बढ़ाने के लिए हाल ही में केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा के पीएम मार्क कार्नी से मुलाकात की। दोनों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (उएढअ) को लेकर बातचीत हुई। गोयल 25 से 27 मई तक कनाडा दौरे पर है । उनके साथ एक बड़ा बिजनेस डेलीगेशन भी कनाडा पहुंचा है। इस यात्रा का मकसद भारत और कनाडा के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है। भारत और कनाडा अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उनकी हालिया भारत यात्रा को याद करते हुए कहा कि इस दौरे ने भारत-कनाडा साझेदारी को नई गति और नया विश्वास प्रदान किया है। पीयूष गोयल के अनुसार उनकी बातचीत भविष्य की संभावनाओं पर केंद्रित रही। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा हुई। साथ ही भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (उएढअ) को जल्द अंतिम रूप दिए जाने को लेकर उम्मीद जताई गई है, जिससे दोनों देशों के लिए विकास और तरक्की के नए मौके खुलेंगे।'

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, हम भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। यह कनाडा के श्रमिकों और व्यवसायों के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होगा और एक विशाल नए बाजार के द्वार खोलेगा। हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मैंने मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की और ऊर्जा, कृषि-खाद्य प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्रों में हमारे दोनों देशों के लिए मौजूद अवसरों पर चर्चा की।' नयी दिल्ली का कहना है कि यह कनाडा जाने वाला भारत का अब तक का सबसे बड़ा कारोबारी प्रतिनिधिमंडल है। गोयल ने सोमवार को कहा, यह एक ऐसी साझेदारी है जिसे बहुत तेजी से नए सिरे से स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फरवरी के अंत में कार्नी की यात्रा ने कनाडा और भारत के एक-दूसरे को देखने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया। यह आठ वर्षों में कनाडा के किसी प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा थी। उन्होंने कहा, इसने इस संबंध में व्यापक बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया है और नए एजेंडे एवं नए लक्ष्य तय किए हैं।

कनाडा और भारत के बीच 2010 से व्यापार वार्ता जारी है। कनाडा के अधिकारियों द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बाद 2023 में वार्ता रोक दी गई थी कि जून 2023 में वैंकूवर के पास हुई निज्जर की हत्या में भारत शामिल था। नयी दिल्ली ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार पर खालिस्तान समर्थक अलगाववादी गतिविधियों में शामिल सिख चरमपंथियों को शरण देने का आरोप लगाया था। गोयल ने सिद्धू से मुलाकात से पहले कहा कि दोनों देश इस साल मुक्त व्यापार समझौते पर पहुंचने के इच्छुक हैं। भारत यात्रा के दौरान कार्नी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी और दोनों पक्षों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

इनमें परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए भारत को लगभग 2।2 करोड़ पाउंड यूरेनियम की आपूर्ति संबंधी 2।6 अरब कनाडाई डॉलर (1।9 अरब अमेरिकी डॉलर) का समझौता भी शामिल था। कनाडा का एक प्रतिनिधिमंडल इस महीने की शुरूआत में व्यापार वार्ता के लिए नयी दिल्ली गया था और एक अन्य भारतीय प्रतिनिधिमंडल चर्चा जारी रखने के लिए इस साल के अंत में कनाडा आने की योजना बना रहा है। गोयल ने कहा कि दोनों देश 2030 तक अपने व्यापार को तीन गुना बढ़ाकर 50 अरब अमेरिकी डॉलर करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

ओटावा में गोयल ने कार्नी और कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की। उनका प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, स्टार्टअप और पेंशन कोषों के प्रतिनिधियों से भी मिलने का कार्यक्रम है। ह्यएशिया पैसिफिक फाउंडेशन ऑफ कनाडाह्व में अनुसंधान एवं रणनीति की उपाध्यक्ष वीना नादजीबुल्ला ने कहा कि दोनों देश अपने संबंधों में विविधता लाना चाहते हैं और अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। भारत ने हाल में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नादजीबुल्ला ने कहा, ह्यभारत अब पूंजी, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष संबंधी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए यूरोप के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसी अन्य पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की ओर रुख कर रहा है।

आधुनिक जीवनशैली के बीच परंपरा, स्वास्थ्य और पर्यावरण का पुनर्जागरण

- डॉ. सत्यवान सौरभ

एक समय था जब भारतीय घरों, आँगनों, चौपालों और खेतों में लकड़ी की खाट जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी। सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, खाट केवल एक फर्नीचर नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक जीवन का केंद्र थी। लेकिन जैसे-जैसे आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा, शहरीकरण ने गति पकड़ी और बाजार में नए-नए प्रकार के बेड, सोफा-कम-बेड तथा महंगे गद्दे आने लगे, खाट धीरे-धीरे घरों से गायब होने लगी। इसे पुरातन, ग्रामीण और पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया गया। परंतु समय का चक्र एक बार फिर घूम रहा है। आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी केवल एक पारंपरिक वस्तु की वापसी नहीं है, बल्कि जीवन के प्रति बदलती सोच, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और प्रकृति के साथ संतुलन की तलाश का प्रतीक भी है।

भारतीय समाज में खाट का इतिहास बहुत पुराना है। इसे चारपाई, मंजी या खटिया जैसे नामों से भी जाना जाता है। लकड़ी के मजबूत ढाँचे और रस्सियों या पट्टियों से बुनी हुई यह संरचना सदियों तक भारतीय जीवन का आधार रही। गाँवों में चौपाल की पहचान खाटों से होती थी। परिवार के बुजुर्ग खाट पर बैठकर निर्णय लेते थे, किसान दिनभर के श्रम के बाद खाट पर विश्राम करते थे और बच्चे उसी पर खेलते-कूदते बड़े होते थे। यह केवल आराम का साधन नहीं थी बल्कि सामाजिक संवाद का मंच भी थी। आज भी ग्रामीण भारत में खाट पर बैठकर होने वाली चर्चाएँ लोकतांत्रिक संवाद की सबसे सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मानी जाती हैं।

पिछले कुछ दशकों में जीवनशैली में बड़े बदलाव आए। लोगों ने आधुनिक फर्नीचर को प्रगति और समृद्धि का प्रतीक मान लिया। बड़े-बड़े बेड, मोटे गद्दे और आकर्षक डिजाइन वाले फर्नीचर घरों की आवश्यकता बन गए। विज्ञापनों ने भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि आराम केवल महंगे गद्दों और आधुनिक बिस्तरों में ही संभव है। परिणामस्वरूप खाट धीरे-धीरे घरों से बाहर होती चली गई। लेकिन अब जब लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बढ़ते तनाव और कृत्रिम जीवनशैली के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, तब वे उन पारंपरिक विकल्पों को नए दृष्टिकोण से देखने लगे हैं जिन्हें कभी उन्होंने स्वयं ही त्याग दिया था।

लकड़ी की खाट की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं। आधुनिक जीवनशैली में कमर दर्द, गर्दन दर्द और रीढ़ से जुड़ी समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं। बहुत अधिक मुलायम गद्दों पर सोना कई लोगों के लिए असुविधाजनक साबित हुआ है। इसके विपरीत खाट का ढाँचा शरीर को संतुलित सहारा देता है। रस्सियों से बुनी खाट शरीर के भार को समान रूप से वितरित करती है, जिससे रीढ़ पर अनावश्यक दबाव कम पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक बुजुर्ग वर्षों तक खाट पर सोने के कारण बेहतर शारीरिक स्थिति में दिखाई देते हैं। यद्यपि हर व्यक्ति की स्वास्थ्य आवश्यकताएँ अलग होती हैं, फिर भी खाट को प्राकृतिक और संतुलित विश्राम का साधन माना जाता है।

गर्म जलवायु वाले भारत में खाट की उपयोगिता और भी अधिक है। फोम और स्प्रिंग वाले गद्दे अक्सर शरीर की गर्मी को रोक लेते हैं, जिससे गर्मियों में असुविधा बढ़ जाती है। इसके विपरीत खाट के नीचे और ऊपर दोनों ओर से हवा का प्रवाह बना रहता है। यह प्राकृतिक वेंटिलेशन शरीर को ठंडक प्रदान करता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। बिजली की बढ़ती खपत और एयर कंडीशनर पर निर्भरता के इस दौर में खाट का यह गुण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी खाट का महत्व बढ़ रहा है। आज दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है। आधुनिक फर्नीचर उद्योग में प्लास्टिक, सिंथेटिक फोम और रासायनिक पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है, जिनका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत लकड़ी और प्राकृतिक रस्सियों से बनी खाट अपेक्षाकृत पर्यावरण-अनुकूल होती है। यह लंबे समय तक चलती है, आसानी से मरम्मत की जा सकती है और इसके अधिकांश हिस्से पुनर्चक्रित या प्राकृतिक रूप से नष्ट हो सकते हैं। ऐसे समय में जब लोग पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं, खाट उन्हें एक टिकाऊ विकल्प के रूप में दिखाई देने लगी है।

खाट की वापसी का एक कारण आर्थिक भी है। महंगे फर्नीचर और ब्रांडेड गद्दों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। दूसरी ओर, स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई खाट अपेक्षाकृत सस्ती और टिकाऊ होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आज भी खाट कम लागत में उपलब्ध है। यह वर्षों तक उपयोग में आ सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसकी रस्सियाँ बदलकर उसे फिर नया बनाया जा सकता है। इस प्रकार खाट केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी व्यवहारिक विकल्प है।

दिलचस्प बात यह है कि खाट की वापसी केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बड़े शहरों में भी लोग इसे नए रूप में अपना रहे हैं। इंटीरियर डिजाइनरों ने पारंपरिक खाट को आधुनिक सौंदर्यबोध के साथ प्रस्तुत करना शुरू किया है। आज कई घरों में खाट को बालकनी, गार्डन, टैरेस या लिविंग स्पेस में सजावटी और उपयोगी वस्तु के रूप में रखा जा रहा है। रिसॉर्ट, कैफे और होमस्टे भी अपने परिसर में खाट का उपयोग कर रहे हैं ताकि ग्राहकों को देसी और पारंपरिक अनुभव मिल सके। यह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता का मेल किस प्रकार संभव है। सोशल मीडिया ने भी खाट की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज ₹सस्टेनेबल लिविंग₹, ₹स्लो लाइफ₹, ₹देसी लाइफस्टाइल₹ और ₹रूट्स की ओर वापसी₹ जैसे विषय युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग अपने घरों और फार्महाउसों में खाट के साथ तस्वीरें साझा करते हैं। अनेक युवा, जो कभी खाट को केवल गाँवों की वस्तु मानते थे, अब उसे जीवनशैली और पहचान का हिस्सा समझने लगे हैं। यह परिवर्तन बताता है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए नजरिए से देख रही है। खाट का सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। भारतीय साहित्य, लोकगीतों और फिल्मों में खाट का उल्लेख बार-बार मिलता है। यह ग्रामीण जीवन, आत्मीयता और सामूहिकता का प्रतीक रही है। जब परिवार के सदस्य एक साथ खाट पर बैठकर बातचीत करते थे, तब संवाद स्वाभाविक रूप से विकसित होता था। आज डिजिटल युग में जहाँ लोग एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं, वहाँ खाट जैसे सामूहिक बैठने के स्थान फिर से सामाजिक निकटता का माध्यम बन सकते हैं। हालाँकि खाट की वापसी का अर्थ यह नहीं है कि आधुनिक फर्नीचर पूरी तरह अप्रासंगिक हो गया है। आधुनिक जीवन की आवश्यकताएँ अलग हैं और कई परिस्थितियों में आधुनिक बेड अधिक सुविधाजनक भी हो सकते हैं। लेकिन खाट की बढ़ती लोकप्रियता यह संकेत अवश्य देती है कि लोग केवल सुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी महत्व देने लगे हैं। वे ऐसे विकल्प खोज रहे हैं जो जीवन को अधिक संतुलित और स्वाभाविक बना सकें।

वास्तव में खाट का पुनरागमन उस व्यापक सामाजिक बदलाव का हिस्सा है जिसमें लोग अपनी जड़ों की ओर लौटने का प्रयास कर रहे हैं। चाहे पारंपरिक भोजन हो, जैविक खेती हो, मिट्टी के बर्तन हों या लकड़ी की खाट—लोग अब यह महसूस कर रहे हैं कि विकास का अर्थ केवल नई तकनीक अपनाना नहीं है। विकास का वास्तविक अर्थ उन परंपराओं को भी समझना है जो समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और जिनमें जीवन को सरल, स्वस्थ और संतुलित बनाने की क्षमता है।

आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है और जीवन पहले से अधिक जटिल होता जा रहा है, तब लकड़ी की खाट हमें सादगी का संदेश देती है। वह याद दिलाती है कि आराम केवल महंगे साधनों से नहीं, बल्कि प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली से भी प्राप्त किया जा सकता है। खाट की ओर लौटते कदम इस बात का संकेत हैं कि समाज अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों, पारंपरिक ज्ञान और पर्यावरणीय समझ को फिर से महत्व देने लगा है। संभव है कि आने वाले वर्षों में खाट फिर कभी हर घर का मुख्य फर्नीचर न बने, लेकिन उसका पुनर्जागरण यह अवश्य सिद्ध करता है कि परंपरा कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जब आधुनिक जीवन की चुनौतियाँ बढ़ती हैं, तब समाज अक्सर अपनी जड़ों में समाधान खोजता है। लकड़ी की खाट की वापसी इसी खोज की कहानी है—एक ऐसी कहानी जिसमें स्वास्थ्य है, पर्यावरण है, संस्कृति है और जीवन को अधिक मानवीय बनाने की आकांक्षा भी। यही कारण है कि आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट पर लौट रहे हैं। वे केवल एक पुराने फर्नीचर को नहीं अपना रहे, बल्कि एक ऐसे जीवन-दर्शन को पुनर्जीवित कर रहे हैं जो सादगी, संतुलन, आत्मीयता और प्रकृति के साथ सामंजस्य पर आधारित है। यही इस वापसी का सबसे बड़ा अर्थ और सबसे बड़ी उपलब्धि है।

विश्व के नेताओं को क्यों समझ नहीं आती शांति की भाषा

मानव सभ्यता ने विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, किंतु विडंबना यह है कि इसी सभ्यता का नेतृत्व करने वाले अनेक विश्व नेता आज भी युद्ध, हथियारों की होड़ और शक्ति प्रदर्शन की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आधुनिक विश्व का सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक असमानता या पर्यावरणीय विनाश नहीं, बल्कि वह मानसिक अस्थिरता और वैचारिक भ्रम है जिसने वैश्विक नेतृत्व को असंवेदनहीन बना दिया है। शांति की भाषा आज उन्हें कमजोरों की भाषा प्रतीत होती है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्थायी विकास केवल शांति और सहअस्तित्व से ही संभव हुआ है। आज दुनिया के कई शक्तिशाली राष्ट्र युद्ध की आग में झुलस रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ और आतंकवाद की बढ़ती घटनाएँ यह प्रमाणित करती हैं कि विश्व नेतृत्व संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दे रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो मानवता की करुणा पर सत्ता की महत्वाकांक्षा भारी पड़ गई हो।

महात्मा गांधी ने कहा था
आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।

गांधीजी का यह कथन आज पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। विश्व के बड़े नेता प्रतिशोध और प्रभुत्व की राजनीति में इतने उलझ चुके हैं कि उन्हें युद्ध के पीछे रोती मानवता दिखाई नहीं देती।

संजीव ठाकुर

लाखों निर्दोष नागरिक विस्थापित हो रहे हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं, अर्थव्यवस्थाएँ बिखर रही हैं, किंतु हथियार उद्योग और सामरिक राजनीति लगातार फल-फूल रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था हमें युद्ध को मानवता के भविष्य से बाहर करना होगा। दुर्भाग्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएँ भी आज महाशक्तियों के राजनीतिक दबाव से पूर्णतः स्वतंत्र नहीं रह पाई हैं। वीटो शक्ति रखने वाले देश अक्सर अपने हितों के अनुसार वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप शांति वार्ताएँ केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं।विश्व के बड़े नेताओं की मानसिकता में एक गहरा भय भी दिखाई देता है—सत्ता खोने का भय, वर्चस्व समाप्त होने का भय और दूसरे राष्ट्र के अधिक शक्तिशाली हो जाने का भय। यही भय उन्हें शांति की जगह युद्ध की तैयारी की ओर धकेलता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने अपने एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था मानव जाति को युद्ध समाप्त करना होगा, अन्यथा युद्ध मानव जाति को समाप्त कर देगा। केनेडी की यह चेतावनी आज परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए किसी भविष्यवाणी से कम नहीं लगती। वर्तमान वैश्विक राजनीति में सबसे चिंताजनक बात यह है कि नेताओं की भाषा से संवेदनशीलता कम होती जा रही है। राजनीतिक मंचों पर संवाद के स्थान पर कटुता और धमकियों का प्रयोग बढ़ गया है। सोशल मीडिया और प्रचार तंत्र ने भी आक्रामक राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया है। जनता को भावनात्मक रूप से उकसाकर युद्ध समर्थक वातावरण तैयार किया जाता है। राष्ट्रहित के नाम पर हिंसा को उचित ठहराया जाने लगा है।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील सिद्धांत प्रस्तुत करते हुए कहा था कि विश्व शांति सहअस्तित्व और पारस्परिक सम्मान से ही संभव है। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शक्ति संतुलन युद्ध से नहीं बल्कि संवाद से कायम रखा जा सकता है। किंतु आज विश्व राजनीति में संवाद की जगह आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य गठबंधन और हथियारों का प्रदर्शन अधिक दिखाई देता है।

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था—
यदि आप अपने शत्रु के साथ शांति चाहते हैं तो आपको उसके साथ काम करना होगा। यह कथन बताता है कि शांति केवल समझौतों से नहीं बल्कि मानसिक परिवर्तन से आती है। दुर्भाग्यवश वर्तमान विश्व नेतृत्व में यह मानसिक परिपक्वता कम दिखाई देती है। नेताओं के निर्णय अक्सर अहंकार, राजनीतिक लाभ और चुनावी रणनीतियों से प्रभावित होते हैं। मानवता पीछे छूट जाती है। धार्मिक और सांस्कृतिक संघर्षों को भी कई बार राजनीतिक नेतृत्व अपने हित में उपयोग करता है। इससे समाजों में अविश्वास और घृणा बढ़ती है। दुनिया का सामान्य नागरिक शांति चाहता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे लोग संघर्ष से लाभ अर्जित करते हैं। हथियार कंपनियों का बढ़ता प्रभाव भी विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। युद्ध जितना लंबा चलता है, हथियार उद्योग उतना अधिक लाभ कमाता है। ऐसे में शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं।

पानी संकट और बदहाल सुविधाओं को लेकर नागरिकों का हंडा मोर्चा का इशारा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शेलार ग्रामपंचायत अंतर्गत डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर नगर के नागरिकों ने भीषण पानी संकट और विभिन्न नागरी समस्याओं को लेकर ग्रामविकास अधिकारी को निवेदन सौंपा है। स्थानीय नागरिकों, महिलाओं और समाज बांधवों ने प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है। नागरिकों का आरोप है कि प्रभाग क्रमांक 1 में ग्रामपंचायत द्वारा महीने में केवल 15 दिन ही पानी सप्लाई की जाती है और कई जगह सिर्फ 15 मिनट के लिए पानी छोड़ा जाता है। जबकि प्रत्येक परिवार से हर महीने 200 रुपये पानीपट्टी और नलकर वसूला जाता है। पानी की कमी से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निवेदन में स्मशानभूमि की जर्जर स्थिति, तुंबे हुए नाले, बदहाल सार्वजनिक शौचालय और बंद पथदिवों का मुद्दा भी उठाया गया। नागरिकों ने कहा कि कई शौचालयों के दरवाजे टूटे हुए हैं, जिससे विशेषकर महिलाओं को कठिनाई होती है। ग्रामसेवक प्रमोद काळे को सौंपे गए निवेदन में चेतावनी दी गई है कि यदि तीन दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामपंचायत कार्यालय पर नागरिकों की ओर से हंडा मोर्चा निकाला जाएगा।

संयुक्त काव्य कृति मिशन सिंदूर शौर्य गाथा का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न

मुंबई (उत्तर शक्ति)। ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के वीर जवानों को समर्पित संयुक्त काव्य कृति "मिशन सिंदूर शौर्य गाथा" पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम कांदिवली पूर्व में संपन्न हुआ। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार-पत्रकार डॉ. कृपाशंकर मिश्र ने की और बतौर प्रमुख अतिथि दैनिक संझा लोकस्वामी मुंबई के संपादक राकेशमणि तिवारी मौजूद रहे। सम्मानित अथितियों में इस काव्य कृति का संपादन करने वाले वरिष्ठ कवि एवं पूर्व प्रधानाध्यापक राम सिंह, प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार तथा युगांश फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश वर्मा की विशेष उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस पुस्तक में पहलगाम आतंकी हमले से पैदा हुई त्रासदी के बाद हमारे देश के वीर जवानों द्वारा किये गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को केंद्र में रखते हुए देशभर के विभिन्न कवियों एवं कवियित्रियों ने अपनी भावपूर्ण रचनाओं के माध्यम से अपने भाव पुष्प अर्पित किये हैं। पुस्तक का प्रकाशन नीलम पब्लिकेशन द्वारा किया गया है।

मानसून पूर्व तैयारियों के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे नाली सफाई कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में निरीक्षण के दौरान टाटा पावर हाउस मीरा रोड, जेपी इंफ्रा, साई पैलेस, लक्ष्मी बाग, रेलवे पैरेलल ड्रेन तथा डीबी रियलिटी क्षेत्र में जारी नाला सफाई कार्यों का जायजा लिया गया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने, सफाई कार्यों में तेजी लाने तथा मानसून से पहले सभी आवश्यक कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगर निगम प्रशासन द्वारा मानसून के दौरान जलभराव और नागरिकों को होने वाली संभावित परेशानियों से बचाने के लिए युद्धस्तर पर विभिन्न आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। इस निरीक्षण दौरे में अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पनपट्टे, अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका राजपूत, उपायुक्त डॉ. सचिन बंगर, नगर अभियंता दीपक खंबित, कार्यकारी अभियंता शरद नानेगांवकर, सहायक आयुक्त योगेश गुणिजन, पार्क अधीक्षक नागेश विरकर, स्वच्छता निरीक्षक, कर्मचारी एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित थे।

संयुक्त काव्य कृति मिशन सिंदूर शौर्य गाथा का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न

मुंबई। (उत्तर शक्ति)। ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के वीर जवानों को समर्पित संयुक्त काव्य कृति "मिशन सिंदूर शौर्य गाथा" पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम कांदिवली पूर्व में संपन्न हुआ। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार-पत्रकार डॉ. कृपाशंकर मिश्र ने की और बतौर प्रमुख अतिथि दैनिक संझा लोकस्वामी मुंबई के संपादक राकेशमणि तिवारी मौजूद रहे।

सम्मानित अथितियों में इस काव्य कृति का संपादन करने वाले वरिष्ठ कवि एवं पूर्व प्रधानाध्यापक राम सिंह, प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार तथा युगांश फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश वर्मा की विशेष उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस पुस्तक में पहलगाम आतंकी हमले से पैदा हुई त्रासदी के बाद हमारे देश के वीर जवानों द्वारा किये गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को केंद्र में रखते हुए देशभर के विभिन्न कवियों एवं कवियित्रियों ने अपनी भावपूर्ण रचनाओं के माध्यम से अपने भाव पुष्प अर्पित किये हैं। पुस्तक का प्रकाशन नीलम पब्लिकेशन द्वारा किया गया है।

मीडिया हब पत्रकार काउंसिल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों को महापौर के हाथों मिला प्राइड ऑफ एक्सीलेंस मीडिया अवार्ड

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सेंटर प्लाजा स्थित बीएमपीए हॉल, धामनकर नाका में मीडिया हब पत्रकार काउंसिल द्वारा पत्रकारों के सम्मान में भव्य ह्रप्राइड ऑफ एक्सीलेंस मीडिया अवार्डह्व समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिवंडी मनपा महापौर नारायण चौधरी उपस्थित रहे, जिनके हाथों पत्रकारों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक डॉ. किशोर बलीराम पाटिल, पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव, युवा नेता तेजस काटेकर, क्राइम रिपोर्टर अमर जामकर, शाबिर शेख सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। मीडिया हब पत्रकार काउंसिल के स्थापना के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह में असंख्य पत्रकार, समाजसेवक एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह, सम्मान और गौरव से भरा नजर आया। समारोह के दौरान सम्मानित अतिथियों और पत्रकारों को अवॉर्ड, प्रमाणपत्र तथा बैग देकर सम्मानित किया गया। मंच से वक्ताओं ने पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकार समाज का चौथा स्तंभ है और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में

उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मीडिया हब पत्रकार काउंसिल के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष इसरार खान, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष संदीप गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष फिरोज मेमन, राष्ट्रीय महासचिव यूसुफ मंसूरी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने पत्रकारों को पद किट प्रदान कर उनका सम्मान किया। समारोह की सबसे खास घोषणा पत्रकारों के लिए 2 लाख रुपये के बीमा सुरक्षा कवच की रही। इस पहल की उपस्थित पत्रकारों और अतिथियों ने सराहना करते हुए इसे पत्रकारों की सुरक्षा और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। इस दौरान संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। जिसमें इसरार खान को राष्ट्रीय अध्यक्ष, संदीप गुप्ता को राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, फिरोज मेमन को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, यूसुफ मंसूरी को राष्ट्रीय महासचिव, फरीद शेख को राष्ट्रीय सचिव, चांदबी मुजावर को राष्ट्रीय लीगल एडवाइजर तथा अमृत शर्मा को महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

वहीं भिवंडी शहर कार्यकारिणी में सोहेल अंसारी को अध्यक्ष, समीर अंसारी फॉम को उपाध्यक्ष, दीपक विश्वकर्मा को महासचिव, महेश गुप्ता को सचिव, सुनील पांडेय को संगठन सचिव, सोहराब शेख को मीडिया प्रभारी तथा शाफिया शेख को लीगल एडवाइजर नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में अमीर शेख, अकदस अंसारी, मुकेश निषाद, शोएब मंसूरी सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन शानदार और व्यवस्थित ढंग से किया गया। अंत में सभी अतिथियों, पत्रकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित लोगों ने मीडिया हब पत्रकार काउंसिल के इस आयोजन को पत्रकारों के सम्मान और एकता का प्रतीक बताया।

डोंबिवली में सनसनीखेज हत्या, पड़ोसी ने घर में घुसकर युवक को चाकू हमला

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के बालपाड़ा इलाके में एक दिल दहला देने वाली हत्या की घटना सामने आई है। घर निर्माण को लेकर हुए विवाद के चलते एक युवक ने अपने पड़ोसी के घर में घुसकर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान प्रताप चौधरी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि घर बनाने को लेकर प्रताप चौधरी और पड़ोसी रोहित शेलार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते रोहित शेलार कथित तौर पर प्रताप के घर में घुसा और चाकू से कई वार कर दिए। हमले में गंभीर रूप से घायल प्रताप चौधरी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी रोहित शेलार मौके से फरार

हो गया। घटना की सूचना मिलते ही टिळकनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। इस सनसनीखेज हत्याकांड से डोंबिवली क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल है।

महाराष्ट्र अन्न आयोग ने वेवूर आंगनवाड़ी का किया निरीक्षण, पोषण व खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लिया जायजा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र राज्य अन्न आयोग के अध्यक्ष महेश ढवले, रणजीत निंबालकर एवं आयोग के सदस्यों ने 20 मई को पालघर जिले के वेवूर स्थित दस्तुरीपाड़ा आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा कर बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य तथा खाद्य सुरक्षा योजनाओं की जमीनी स्तर पर समीक्षा की। इस दौरान आंगनवाड़ी में संचालित विभिन्न गतिविधियों, लाभार्थियों को दिए जाने वाले पूरक पोषण आहार तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए लागू योजनाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के वजन एवं ऊंचाई मापन रजिस्टरों की जांच की। कुपोषण रोकथाम के लिए अपनाए जा रहे उपायों, ग्रोथ चार्ट रिकॉर्ड, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं पोषण ट्रैकिंग प्रणाली की विस्तृत जानकारी भी ली गई। अधिकारियों ने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण स्तर के लिए संतुलित आहार, स्वच्छता तथा अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर

दिया। दौरे के दौरान गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा अभिभावकों से संवाद कर आंगनवाड़ी के माध्यम से मिलने वाले पूरक आहार, पोषण अभियान, स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण एवं पोषण भी, पढ़ाई भी अभियान के संबंध में उनकी प्रतिक्रियाएं जानी गईं। साथ ही बच्चों की नियमित उपस्थिति, घरेलू खान-पान, स्वच्छता व स्वास्थ्य संबंधी आदतों पर भी चर्चा की गई। अन्न आयोग के अधिकारियों ने गांव के राशन कार्डधारकों से भी बातचीत कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत मिलने वाले अनाज की गुणवत्ता, वितरण की नियमितता और नागरिकों की समस्याओं की जानकारी ली। कई नागरिकों ने राशन वितरण में तकनीकी दिक्कतें, नाम जोड़ने की प्रक्रिया, ई-केवाईसी तथा वितरण समय को लेकर समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने आंगनवाड़ी सेविका, सहायिकाओं और ग्रामीणों के कार्यों की सराहना करते हुए बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य सुधार के लिए शासन की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी विवेक चौधरी, बाल विकास परियोजना अधिकारी (वसई-विरार पूर्व) गणेश मांटे, बाल विकास परियोजना अधिकारी अमोल पवार, तुषार धुमाल, मुख्य सेविका तृप्ती भोये, कल्पना आघाव, आंगनवाड़ी सहायिकाएं, माता-पिता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

धानिवरी हाईवे हादसा: मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता निधि से 5-5 लाख रुपये की मदद

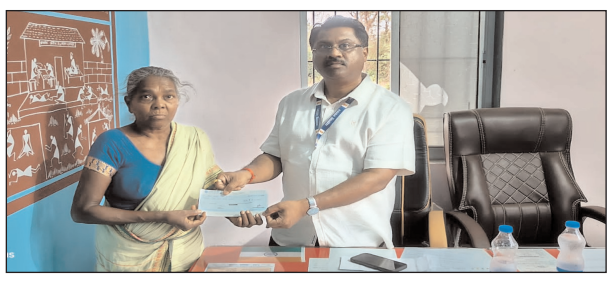

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 48 पर धानिवरी गांव की सीमा में हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 13 लोगों के परिजनों के लिए राज्य सरकार द्वारा घोषित आर्थिक सहायता की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री सहायता निधि से मृतकों के वारिसों को प्रत्येक 5 लाख रुपये की मदद दी जा रही है।

प्रभारी जिलाधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 मई 2026 को मृतकों में से 10 लोगों के परिजनों को धनादेश (चेक) के माध्यम से सहायता राशि वितरित कर दी गई है। यह सहायता वितरण कार्यवाही डहाणू तहसील कार्यालय के माध्यम से संपन्न हुई। इस दौरान तहसीलदार सुनील कोली के हाथों संबंधित वारिसों को सहायता राशि के चेक सौंपे गए। प्रशासन की ओर से बताया गया कि शेष तीन मृतकों के परिजनों के आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होते ही शासन द्वारा घोषित सहायता राशि उन्हें भी प्रदान कर दी जायेगी। ज्ञात हो कि धानिवरी हाईवे पर हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद प्रशासन ने राहत एवं समन्वय कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री सहायता निधि से मिली यह आर्थिक मदद शोकाकुल परिवारों के लिए कठिन समय में राहत का सहारा बनी है।

अंबरनाथ में लागू होगा सँटिस प्रकल्प, विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। शहर में बढ़ती यातायात समस्या को दूर करने के लिए अंबरनाथ नगर परिषद क्षेत्र में सेटिस प्रकल्प लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने नगर परिषद प्रशासन को आगामी वर्षा सत्र से पहले परियोजना का विस्तृत प्रस्ताव और रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में स्टेशन परिसर की यातायात भीड़ को कम करने के लिए सेटिस परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इसके अंतर्गत आधुनिक बस टर्मिनल, रिक्शा स्टैंड, अत्याधुनिक पार्किंग व्यवस्था, व्यावसायिक गाळे (दुकानें) तथा पुल निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रस्तावित हैं। विधायक डॉ. किणीकर ने कहा कि

परियोजना के क्रियान्वयन से अंबरनाथ की यातायात व्यवस्था अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनेगी।

बैठक में मोरिवली रेलवे उड़ानपुल (फ्लाईओवर) के लिए निधि उपलब्ध कराने तथा परियोजना से प्रभावित नागरिकों के उचित पुनर्वास को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्याधिकारी आकाश गायकवाड़, उपनगराध्यक्ष सदाशिव पाटील, नगर परिषद के वरिष्ठ अधिकारी तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं का अध्ययन कर जल्द से जल्द विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि शहर के विकास कार्यों को गति मिल सके।

गौशाला में पशुओं के साथ लापरवाही और दुर्व्यवहार, पुलिस से कार्रवाई की मांग

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर स्थित श्री राधे श्याम गौशाला ट्रस्ट के खिलाफ गायों, बैलों और बछड़ों की देखभाल में गंभीर लापरवाही तथा कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। इस संबंध में संबंधित पुलिस अधिकारियों को एक लिखित शिकायत सौंपकर जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सेक्शन-37, दूध नाका स्थित स्वामी शांति प्रकाश आश्रम के निकट संचालित श्री राधे श्याम गौशाला ट्रस्ट में पशुओं की उचित देखभाल नहीं की जा रही है। शिकायतकताओं का कहना है कि गौशाला में मौजूद गायों, बैलों और बछड़ों के स्वास्थ्य, भोजन और रखरखाव को लेकर गंभीर अनियमितताएं हैं, जिससे पशुओं को कष्ट झेलना पड़ रहा है।

आवेदन में गौशाला के सुपरवाइजर जयकुमार जेसवानी तथा उनके तीन पुत्रों–तरुण जेसवानी, शिवकुमार जेसवानी और शंकर जेसवानी–का भी उल्लेख किया गया है। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि गौशाला प्रबंधन की लापरवाही के कारण पशुओं के कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत में प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने तथा गौशाला में पशुओं की उचित देखभाल सुनिश्चित करने की मांग की गई है। फिलहाल संबंधित अधिकारियों की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

(नोट) यह खबर शिकायत पत्र में लगाए गए आरोपों के आधार पर तैयार की गई है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

कल्याण पूर्व के जरीमरी मंदिर में अखंड हरिनाम सप्ताह एवं ज्ञानेश्वरी पारायण समारोह संपन्न

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व स्थित जरीमरी मंदिर परिसर में पिछले आठ दिनों से चल रहा अखंड हरिनाम सप्ताह एवं ज्ञानेश्वरी पारायण समारोह भक्ति और उत्साह के माहौल में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर यशवंतजी महाराज पाटील के प्रभावशाली कीर्तन ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। टाळ-मृदंग के गजर और हरिनाम संकीर्तन से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में रंग गया।

इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में वारकरी, भक्तगण और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भजन, कीर्तन, प्रवचन और ज्ञानेश्वरी पारायण के माध्यम से भक्तों ने आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।

इस भव्य आयोजन का आयोजन शिवसेना संपर्क प्रमुख एवं नगरसेवक महेश गायकवाड द्वारा किया गया था। समापन समारोह में उपस्थित वारकरी समुदाय को संबोधित करते हुए महेश गायकवाड ने कहा कि कल्याण पूर्व में वारकरी भवन के निर्माण के लिए वे हर संभव प्रयास और संबंधित स्तर पर लगातार पाठपुरावा करेंगे। उन्होंने वारकरी समाज की सुविधाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए स्थायी व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

समारोह के सफल आयोजन पर वारकरी समाज और श्रद्धालुओं ने आयोजकों का आभार व्यक्त किया। आठ दिनों तक चले इस आध्यात्मिक महोत्सव ने क्षेत्र में भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश प्रसारित किया।

इंडियाज बेस्ट डांसर- जज जावेद जाफरी

मुंबई/पटना। आप भारतीय टेलीविजन पर डांस लाने वाले पायनियर रहे हैं। जब आप इंडियाज बेस्ट डांसर के जजिंग पैनल पर लौट रहे हैं, तो आपको सालों में डांस टैलेंट और परफॉर्मेंस स्टाइल्स का विकास कैसे दिखता है?

जवाब- मेरी बूगी वूगी की यात्रा बेहद खास रही, वो सिर्फ भारत का पहला डांस शो नहीं था, बल्कि दुनिया के शुरूआती डांस रियलिटी फॉर्मेट्स में से एक था। सालों में यह देखना शानदार रहा कि कैसे प्लेटफॉर्म्स बढ़े और डांसर्स को इतना एक्सपोजर मिला। इंटरनेट ने दुनिया को छोटा कर दिया है और डांसर्स लगातार एक-दूसरे से सीख रहे हैं।

स्टैंडर्ड्स निश्चित रूप से विकसित हुए हैं ज्यादा सिंक, ज्यादा अवेयरनेस और स्टाइल्स का खूबसूरत फ्यूजन। भले ही बैले या जैज जैसे कुछ इंटरनेशनल क्लासिकल फॉर्म्स में हम अभी भी बढ़ रहे हैं, लेकिन फ्रीस्टाइल और फ्यूजन में हम पूरी तरह बराबरी पर हैं।

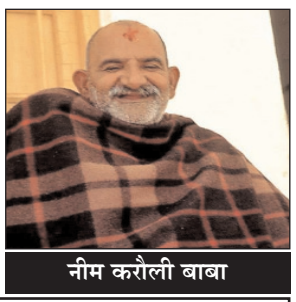

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कुर्ला फेस्टिवल मे आमदार श्री 2026 शरीरसौष्ठव प्रतियोगिता बड़े उत्साह और शानदार माहौल में संपन्न

मुंबई। कुर्ला फेस्टिवल 2026 के अंतर्गत नेहरू नगर एसटी बस स्थानक परिसर में विधायक मंगेश कुडाळकर के मार्गदर्शन में आयोजित आमदार श्री 2026 शरीरसौष्ठव प्रतियोगिता बड़े उत्साह और शानदार माहौल में संपन्न हुई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उमेश गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आमदार श्री 2026 का खिताब अपने नाम किया। वहीं सुयश सावंत ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीता, जबकि अक्षय खोत ने तृतीय स्थान हासिल कर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया।महिला शरीरसौष्ठव स्पर्धा में मुंबई पुलिस दल की सौ. रेखा शिंदे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रेरणादायी सफलता हासिल की। वहीं दिव्यांग शरीरसौष्ठव प्रतियोगिता में प्रथमेश भोसले ने अपने आत्मविश्वास, मेहनत और जिद्द के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी का दिल जीत लिया। इस

अवसर पर आयोजक विधायक मंगेश कुडाळकर तथा जय मंगेश कुडाळकर के हाथों विजेताओं को सम्मानचिन्ह देकर गौरवान्वित किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए कुडाळकर ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं में फिटनेस, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का सकारात्मक संदेश पहुंचा है। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाने वाले परीक्षक, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

भागलपुर के कहलगांव में ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी का विस्तार

मुंबई/भागलपुर। भागलपुर जिले के कहलगांव क्षेत्र में ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी की नई शाखा का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एन.के. यादव (पूर्व एमएलसी) ने फीता काटकर स्टोर का शुभारंभ किया।

फ्रेंचाइजी ओनर श्री सुमीत कुमार ने बताया कि इस स्टोर के माध्यम से स्थानीय लोगों को अब गुणवत्तापूर्ण ब्रांडेड दवाइयाँ, उचित मूल्य और बेहतर ग्राहक सेवा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि ई-मेडिक्स की संगठित फार्मेसी व्यवस्था क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री सिकंदर प्रसाद यादव, अमित कुमार, डॉ. निलय कृष्णा (जनरल सर्जन), संजीव चौधरी, बद्री मंडल, सत्यनारायण यादव, प्रणब कुमार (छोटू पांडेय), विनय शॉ एवं सुभाष यादव उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने ई-मेडिक्स की पारदर्शी और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं की सराहना की।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

टाली लगे ट्रैक्टर की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से घायल

तेजीबाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के चौखड़ा गांव में शारदा सहायक खंड 36 नहर पर हरिजन बस्ती के पास एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई वहीं उसका पति बाल-बाल बच गया। उन्हें टाली लगे एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया।

जानकारी के अनुसार, चौखड़ा गांव निवासी गंगा गौतम अपनी पत्नी उर्मिला देवी के साथ किसी काम से बाहर गए थे। घर लौटते समय शारदा सहायक खंड 36 नहर पर वे अपने घर के करीब पहुंच गए थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे टाली लगे ट्रेक्टर की चपेट में आ गए। टक्कर के बाद उनकी मोटरसाइकिल नहर में गिर गई। इस हादसे में गंगा गौतम की पत्नी उर्मिला देवी को गंभीर चोटें आईं और वे बेहोश हो गईं। उन्हें तत्काल परिजन बदलापुर अस्पताल ले गए। सूचना मिलने पर तेजीबाजार थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल और तेजीबाजार पुलिस चौकी इंचार्ज एसआई जय प्रकाश सिंह अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर थाने भेज दिया।

थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है और घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं शोर शराबा सुनकर घटना स्थल पर कई ग्रामीण भी मौजूद थे।

पीड़ित को तभी न्याय मिलेगा जब आरोपितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई: वीर प्रताप सिंह वीरू

मृतक आजाद बिंद के स्वजन से मिलकर बधाया ढाढ़स, कहा हर परिस्थिति में पीड़ित के साथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद का चर्चित दूल्हा आजाद हत्याकांड के बाद उसके स्वजन से रविवार की रात्रि राष्ट्रीय अध्यक्ष करणी सेना वीर प्रताप सिंह वीरू ने मिलकर जहाँ ढांढ़स बधाया वहीं हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने को कहा। श्री सिंह ने वहां पहुंचकर जहाँ प्रशासन से शीघ्र कार्यवाई को कहा वहीं सौम्या बिंद से मुख्यमंत्री के ओ यस डी से बात कराकर मिलने के लिए भेजा। उन्होंने पत्रकारों से

बातचीत में कहा कि निषाद समाज भाजपा के कोर वोटर हैं इससे अधिक दुखद और क्या हो सकता है की कोई अपनी बारात लेकर जा रहा हो और हत्यारे उसकी अंतिम बारात निकाल दिए सारे अरमानों पर पानी फेर दिया दो गजरों की खुशियाँ छीन लिया। यह अपराध का एक्सट्रीम लेबल है और पुलिस पर सवालिया निशान है। हम एक बहन का भाई के प्रति समर्पण देखकर आए हैं परिवार के साथ खड़े हैं, आरोपितों का इनकाउंटर हो। इस दौरान दारा सिंह, सुनील, राजेश समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

आजम खान और अब्दुल्लाह आजम को इंसाफ दिलाने के लिए 10 जून को देशव्यापी ज्ञापन अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने घोषणा की है कि मो0 आजम खान, अब्दुल्ला आजम खान और उनके परिवार को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर 10 जून 2026 को पूरे देश से सर्वोच्च न्यायालय को ज्ञापन भेजा जाएगा।

पीडीए भवन कटघरा, जौनपुर में जारी प्रेस विज्ञप्ति में अरशद खान ने कहा कि आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ की गई कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक अधिकारों और मानवाधिकारों की भावना के विपरीत प्रतीत होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2019 के बाद लगातार बड़ी संख्या में मुकदमे दर्ज किए गए, जिससे राजनीतिक प्रतिशोध की आशंका पैदा होती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कानून का उद्देश्य न्याय स्थापित करना होना चाहिए, न कि राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित करना। यदि किसी पर आरोप हैं तो निष्पक्ष जांच और पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्य सामने आना चाहिए।

अरशद खान ने बताया कि देशभर के लोकतंत्र समर्थक नागरिक, किसान, नौजवान, सामाजिक संगठन, अधिवक्ता, बुद्धिजीवी और समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोग 10 जून को भारत के मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली को ज्ञापन भेजेंगे।

इस अभियान के तहत आजम खान और उनके परिवार से जुड़े मामलों की निष्पक्ष न्यायिक समीक्षा, राजनीतिक प्रतिशोध के तहत दर्ज मामलों की स्वतंत्र जांच, मौलिक अधिकारों और मानवाधिकारों की सुरक्षा तथा न्यायिक प्रक्रिया को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखने की मांग उठाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि 6 जून 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से ज्ञापन का प्रारूप और सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक ईमेल आईडी जारी की जाएगी, ताकि लोग अपने संगठन और लेटर पैड के माध्यम से ज्ञापन भेज सकें।

अरशद खान ने सभी धर्मों, जातियों और वर्गों के लोगों, सामाजिक संगठनों, पत्रकारों, अधिवक्ताओं और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा, इंसाफ लोकतंत्र की आत्मा है और संविधान उसकी सबसे बड़ी ताकत।

झाड़फूक की आड़ में महिलाओं से छेड़छाड़ और धर्म परिवर्तन की शिकायत लेकर महिलाएं पहुंची पुलिस अधीक्षक कार्यालय

- तथाकथित ढोंगी बाबा पर कार्रवाई की उठाई मांग
- कई महिलाओं ने मीडिया के सामने खोली जुबान
- पुलिस जांच के बाद होगी आरोपों की पुष्टि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के जफराबाद थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां इलाज और झाड़-फूंक के नाम पर महिलाओं के साथ गलत हरकत करने तथा धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के आरोप लगे हैं। मामले में अब एक नहीं बल्कि कई महिलाओं ने सामने आकर अपनी आपबीती सुनाई है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार चकमहमुदपुर गांव निवासी गोदावरी देवी ने आरोप लगाया कि उनकी बहू की तबीयत खराब होने पर वे उसे इलाज के लिए आजाद खां उर्फ बाबा के पास ले गई थीं। पीड़िता का कहना है कि बाबा ने झाड़-फूंक के दौरान 'जिन्न का साया' बताकर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया।

महिला ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने वहां जाना बंद कर दिया तो आरोपी खुद उनके घर पहुंच गया और इस्लाम कबूल करने के लिए दबाव बनाने लगा। इतना ही नहीं, पैसे का लालच देने की भी बात कही गई।

मामले ने नया मोड़ तब लिया जब गांव की दो से तीन अन्य महिलाओं ने भी मीडिया के सामने बयान दिया। महिलाओं का आरोप है कि इलाज और झाड़-फूंक के बहाने उन्हें गलत तरीके से छुआ जाता था। हालांकि लोक-लाज और बदनामी के डर से वे अब तक चुप थीं।

पीड़ित महिलाओं का कहना है कि डर और सामाजिक दबाव के कारण वे पहले सामने नहीं आईं, लेकिन अब सच उजागर करना जरूरी समझा। हालांकि अभी तक इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में पहले भी कई बार ऐसे कथित बाबाओं का पदार्फाश हो चुका है, जो अंधविश्वास और झाड़-फूंक की आड़ में लोगों को गुमराह करते रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में महिलाएं अक्सर सामाजिक दबाव के कारण खुलकर शिकायत नहीं कर पातीं।

उत्तर प्रदेश में लागू 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021' के तहत दबाव, लालच या धोखे से धर्म परिवर्तन कराना अपराध माना गया है। दोषी पाए जाने पर तीन से दस वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। वहीं महिलाओं से छेड़छाड़ के आरोप साबित होने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के तहत भी कड़ी कार्रवाई हो सकती है। अब बड़ा सवाल यही है कि क्या पुलिस इन गंभीर आरोपों पर त्वरित कार्रवाई करेगी और क्या ऐसे कथित ढोंगी बाबाओं पर लगाम लग पाएगी।

दवा से लदी डीसीएम पलटी, बड़ा हादसा टला

खेतासराय के गुरैनी मदरसा गेट के पास हुआ हादसा, चालक घायल

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के गुरैनी मदरसा गेट के समीप सोमवार भोर आयुर्वेदिक दवाओं से लदी एक डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं, जबकि बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार वाराणसी से आयुर्वेदिक दवाएं लेकर डीसीएम गोसाईंगंज की ओर जा रही थी। सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे गुरैनी मदरसा गेट के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर से साइड लगने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। काफी प्रयास के बावजूद डीसीएम सड़क किनारे पलट गई।

वाहन चालक आशीष कुमार ने ट्रेलर चालक की लापरवाही को हादसे का कारण बताया। उन्होंने कहा कि भारी वाहन को बचाने की कोशिश में गाड़ी असंतुलित हो गई। हादसे में चालक को हल्की चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद खतरे से बाहर बताया गया है।

सूचना मिलते ही ट्रैफिक एसआई राजेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और यातायात को सुचारू कराया। पुलिस की तत्परता से सड़क पर आवागमन सामान्य बना रहा।

बताया जा रहा है कि डीसीएम में लदी आयुर्वेदिक दवाओं को सुरक्षित निकालकर दूसरी गाड़ी से गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के समय सड़क पर भीड़ कम होने से बड़ा नुकसान होने से बच गया।

पुलिस छावनी में तब्दील हुआ सोंधी, सुरक्षा की दृष्टि से तैनात किए गए पुलिस के जवान

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस मुठभेड़ में ढेर एक लाख इनामिया रवि यादव के गांव सोंधी मोहल्ले में सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस फोर्स की तैनाती करदी गयी है।

परिजनों का आरोप है कि पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को न देकर जबरन दाह संस्कार करवा दिया राम घाट जौनपुर में ही जबकि परिजनों की प्रशासन से मांग थी कि उनके पारंपरिक घाट सुतौली खुटहन में किया जाता है इसी बात को लेकर परिवार के लोग नाराज हैं।

कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एहतियातन गांव में डेढ़ सेक्शन पीएसी के जवान सर्किल के सभी थाने बदलापुर,बक्शा थाने की पुलिस दो निरीक्षक 8 उप निरीक्षक, 10 महिला सिपाही, क्यूआरटी, सहित पुलिस लाइन से रिजर्व पुलिस बल की तैनाती की गई है। क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि लाएंवर्डर की कोई समस्या नही है एहतियात के तौर पर सुरक्षा लगाई गई है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सेवई नाला के पास मंगलवार सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 8 बजे सेवई नाला के पास सड़क पार करते समय अधेड़ किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। हादसे के बाद वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे काफी देर तक पड़ा रहा। राहगीरों की नजर पड़ने पर लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान करीब एक घंटे बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल के लाश रजिस्टर में मृतक का नाम मोती (55) निवासी धनशाली, थाना गौराबादशाहपुर दर्ज किया गया है। समाचार लिखे जाने तक मृतक के परिवार का कोई सदस्य जिला अस्पताल नहीं पहुंच सका था। शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। वहीं कुछ लोग पहचान के लिए पहुंचे, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी।

पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के पुरानी बाजार मोहल्ला स्थित हड्डी अस्पताल गली में एक युवती का कमरे के अंदर पंखे में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ शव मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगर के पुरानी बाजार मोहल्ला डा जे पी दूबे हड्डी गली में जवाहरलाल प्रजापति के मकान में आजमगढ़ जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र के चितवरन गांव निवासी 24 वर्षीय कुमारी आशु उर्फ अंशु यादव पुत्री अलगू यादव अपनी बड़ी बहन वर्षा यादव के साथ किराये के मकान में रह कर नगर के एक कपड़े की दुकान पर नौकरी करती थी।रोज की भांति अंशु सोमवार की दोपहर दुकान से छुट्टी लेकर घर भोजन करने आयी लेकिन वापस नहीं गयी।रात में बडी बहन जब दुकान से कमरे पर आयी तो कमरा अंदर से बंद था।अगल बगल के लोगों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे कोतवाली निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने कमरे का दरवाजा तोड़वाया तो अंदर अंशु का शव कमरे में फंदे पर लटकता हुआ मिला।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गंगा दशहरा पर वाराणसी के शीतला घाट पर आस्था की डुबकी लगाने उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपदमें गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मंगलवार को वाराणसी के शीतला घाट पर श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि व कल्याण की कामना की। गंगा तट पर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। गंगा दशहरा

पर काशी के विभिन्न घाटों पर विशेष पूजन, स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया तथा दान-पुण्य कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मान्यता है कि गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करने से दस प्रकार के पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। घाटों पर भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासनिक टीमें लगातार निगरानी करती रहीं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। काशी के घाटों पर दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा और 'हर-हर गंगे' के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा।

मटर की उन्नत किस्म 'काशी नंदिनी' का नैफको को लाइसेंस हस्तांतरण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के शाहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा विकसित मटर की उन्नत एवं उच्च उत्पादक किस्म 'काशी नंदिनी' के व्यावसायीकरण एवं व्यापक प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करते हुए नेशनल एग्रो फार्मिंग मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (नैफको), नई दिल्ली के साथ लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता कृषि क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।आईसीएआर-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान की ओर से संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि नैफको की ओर से समित सक्सेना ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि संस्थान किसानों की आय वृद्धि, पोषण सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि विकास को ध्यान में रखते हुए उच्च उत्पादकता वाली एवं किसान हितैषी सब्जी किस्मों के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि निजी एवं सहकारी संस्थाओं के माध्यम से उन्नत किस्मों का लाइसेंस हस्तांतरण गुणवत्तायुक्त बीजों के तीव्र उत्पादन, व्यापक

वितरण तथा किसानों तक समय पर पहुँच सुनिश्चित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की साझेदारियाँ अनुसंधान संस्थानों एवं कृषकों के बीच तकनीकी सेतु का कार्य करती हैं तथा कृषि आधारित उद्यमिता को नई दिशा प्रदान करती हैं। मटर की किस्म 'काशी नंदिनी' एक शीघ्र परिपक्व होने वाली उन्नत किस्म है। इस किस्म में प्रति पौधा लगभग 7-8 फलियाँ लगती हैं तथा फलियों की लंबाई 8-9 सेंटीमीटर होती है। फलियाँ अच्छी तरह भरी हुई होती हैं जिनमें लगभग 8-9 दाने पाए जाते हैं तथा इसका शेलिंग प्रतिशत लगभग 47-48 प्रतिशत है। इस किस्म की उत्पादन क्षमता लगभग 110-120 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पाई गई है। लाइसेंस हस्ताक्षर समारोह में विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डी. पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नीरज सिंह, डॉ. त्रिभुवन चौबे, डॉ. सुदर्शन मौर्य तथा डॉ. ज्योति देवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समन्वयन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. इन्दीवर प्रसाद द्वारा किया गया। उन्होंने संस्थान की प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई (आईटीएमयू) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह इकाई संस्थान द्वारा विकसित नवाचारों एवं प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण, लाइसेंसिंग एवं प्रसार हेतु सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। कार्यक्रम का समापन किसानों, बीज उत्पादकों एवं कृषि क्षेत्र के व्यापक हित में उन्नत सब्जी किस्मों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रसार को बढ़ावा देने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

राज्य मंत्री ने हॉस्पिटल पहुचकर पूर्व जिला उपाध्यक्ष की बीमार मां का लिया हाल-चाल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने सोमवार को स्वर्गीय वंश नारायण सिंह महिला महाविद्यालय के प्रबंधक एवं भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजीव सिंह गौतम के माता जी का स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी मिलने पर राजातालाब स्थित विमला हॉस्पिटल में पहुंचकर भर्ती कवलवास देवी बीमार माताजी को देखकर स्वास्थ्य के बारे में हाल-चाल लिया तथा उनके जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ हेतु ईश्वर से कामना की। उन्होंने डॉक्टर सिद्धार्थ सिंह गौतम से माता कवल वास देवी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेते हुए अच्छी से अच्छी उपचार करने हेतु कहा। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम, अश्वनी पांडेय, गौरव पटेल, अभिषेक त्रिपाठी, राजू वर्मा,अजय विश्वकर्मा, रामचंद्र गौतम इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

राजकीय आईटीआई सिददीकपुर, जौनपुर कैम्पस में रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि निदेशक, सेवायोजन उ०प्र० लखनऊ के निर्देश के कम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वावधान में (मिशन रोजगार अभियान) के अन्तर्गत राजकीय आई०टी०आई० सिददीकपुर, जौनपुर में 29 मई 2026 को प्रातः 10:00 बजे से राजकीय आई०टी०आई० सिददीकपुर, जौनपुर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की कॅम्पनियों, आर०एस०टी० ग्रुप ऑफ सर्विस, ब्राइट फ्यूचर आग्रेनिक हर्बल एवं आयुर्वेदिक, डस्की स्टैलियन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग सर्विसेज (DSETS) प्राइवेट इत्यादि के द्वारा, शैक्षिक योग्यता:- हाईस्कूल, इण्टर, आई०टी०आई०, डिप्लोमा एवं स्नातक उत्तीर्ण योग्य अभ्यर्थियों को योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए, अभ्यर्थी विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी०प्रूफ बायोडाटा सहित सेवायोजन वेब पोर्टल-rojgaarsangam.up.gov.in जॉकसीकर पर पंजीकरण कर अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

डेंटल सर्जन के साथ थाना तेजीबाजार में कथित उत्पीड़न

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के थाना तेजीबाजार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हैदरपुर निवासी डॉ. प्रभात विक्रम सिंह (बी.डी.एस., डेंटल सर्जन), जो शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जमींदार सिंह के पौत्र एवं क्षेत्र के एक सम्मानित, शिक्षित तथा शांतिप्रिय नागरिक हैं, के साथ थाना तेजीबाजार में हुई कथित अभद्रता एवं उत्पीड़न की घटना को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 25 मई 2026 को डॉ. प्रभात विक्रम सिंह अपनी पैतृक भूमि पर हो रहे कथित अवैध निर्माण को रोकने एवं न्याय की मांग को लेकर थाना तेजीबाजार में प्रार्थना पत्र देने पहुंचे थे। आरोप है कि शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय थाना प्रभारी सत्येंद्र भाई पटेल द्वारा उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। कथित रूप से उनका मोबाइल फोन छीन लिया गया, जूते एवं बेल्ट उतरवाए गए तथा उन्हें लगभग तीन घंटे तक लॉकअप में जमीन पर बैठाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इसके बाद धारा 151 के अंतर्गत चालान कर उन्हें जौनपुर भेज दिया गया।

यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े करती है। यदि कोई नागरिक अपनी समस्या लेकर थाने

पुलिस की मनमानी के खिलाफ जिलाधिकारी से मिला प्रतिनिधिमंडल

जाता है और उसे न्याय मिलने के बजाय अपमान, प्रताड़ना और दमन का सामना करना पड़ता है, तो यह कानून के राज और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। एक सम्मानित चिकित्सक के साथ इस प्रकार का व्यवहार न केवल व्यक्तिगत गरिमा का हनन है बल्कि पूरे समाज को भयभीत करने वाला संदेश भी देता है।

घटना के विरोध में डॉ. प्रभात विक्रम सिंह के समर्थन में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी जौनपुर से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि पूरे

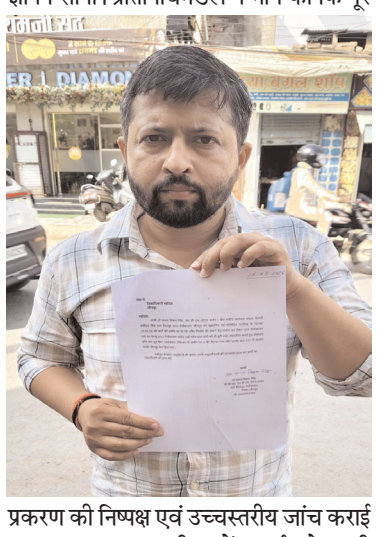

प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा थाना प्रभारी सत्येंद्र भाई पटेल की भूमिका की जांच करते हुए उनके विरुद्ध कठोर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि एक स्वतंत्रता सेनानी के परिवार से आने वाले सम्मानित चिकित्सक के साथ इस प्रकार का व्यवहार हो सकता है, तो आम नागरिक की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। पुलिस का कार्य नागरिकों को सुरक्षा और न्याय देना है, न कि शिकायतकर्ता को ही प्रताड़ित करना।

जिलाधिकारी महोदय से मांग की गई है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। यदि निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन एवं विरोध प्रदर्शन पर भी विचार किया जाएगा।

इस मौके पर डॉ.गौरव मौर्या प्रेजिडेंट आईडीए डॉ. रजनीश द्विवेदी डॉ.संजीव पाण्डेय डॉ.राहुल सिंह डॉ. मोईन खान डॉ.हर्ष डॉ.दीपक विश्वकर्मा आदि दर्जनों डॉक्टर की उपस्थिति रही।

सर्पदंश पीड़िता युवती का मेडिकल कॉलेज जौनपुर में सफल उपचार

चिकित्सकों की तत्परता से बची जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के आईपीडी विभाग में सर्पदंश से पीड़ित लगभग 18 वर्षीय युवती को आज दिनांक 26 मई 2026 को लगभग दोपहर 2 बजे उपचार हेतु भर्ती कराया गया। मरीज की स्थिति गंभीर होने के कारण चिकित्सकों द्वारा तत्काल आवश्यक उपचार प्रारंभ किया गया। महाविद्यालय के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की तत्परता एवं समन्वित प्रयासों से मरीज का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। वर्तमान समय में मरीज की स्थिति सामान्य एवं स्थिर है तथा वह चिकित्सकीय निगरानी में है। उक्त उपचार कार्य में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए. ए. जाफरी के निर्देशन में डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. शादाब, डॉ. प्रतीक पाण्डेय, डॉ. अवनीश, डॉ. अभिषेक एवं डॉ. सुजीत कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ब्रजेश, राहिला, रीना, शिवानी, गोविन्द आदि का विशेष सहयोग रहा।

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा उपचार में सम्मिलित समस्त चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा गया कि संस्थान आमजन को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

नाले की आधी-अधूरी सफाई करने वाले कॉन्ट्रैक्टर पर केस दर्ज करने की मांग: महेश सरवणकर

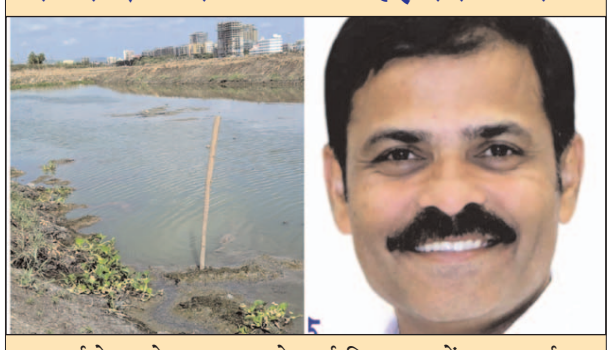

वसई रोड। महेश सरवणकर ने वसई-विरार शहर में मानसून पूर्व चल रही नाला सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नालों की सफाई करने वाले कॉन्ट्रैक्टर अधूरा काम करके झूठी रिपोर्ट मनपा प्रशासन को सौंप रहे हैं और शहर को संभावित जलभराव के खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने मांग की कि आधी-अधूरी सफाई करने वाले कॉन्ट्रैक्टर पर तत्काल मामला दर्ज किया जाए और जब तक काम पूरी तरह संतोषजनक न हो, तब तक उसका बिल जारी न किया जाए। महेश सरवणकर के अनुसार, वसई-विरार शहर में कई नालों की केवल ऊपरी सतह की सफाई की गई है, जबकि नीचे जमी गाद और किनारों पर जमा कचरा अब भी मौजूद है। उन्होंने विशेष रूप से सनसिटी के दीवानमन क्षेत्र में तुलजाभवानी मंदिर के सामने स्थित गार्डन के पास के नाले का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भारी मात्रा में गाद जमा है, बावजूद इसके सफाई पूरी होने की रिपोर्ट दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित कॉन्ट्रैक्टर झूठी रिपोर्ट देकर वसई-विरार महानगरपालिका को गुमराह कर रहा है। मनपा अधिकारियों का दावा है कि नाला सफाई का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन जमीनी स्थिति इससे अलग दिखाई दे रही है। सरवणकर ने चेतावनी दी कि मई का अंतिम सप्ताह चल रहा है और जून में मानसून शुरू होने की संभावना है। यदि समय रहते नालों की पूरी सफाई नहीं हुई, तो भारी बारिश के दौरान वसई-विरार शहर में गंभीर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

टीएमसीसी मेडिको लीग में एम टी खान नाइट राइडर्स टीम ने डब्ल्यू सीजन का बना चैंपियन

ठाणे। रविवार को टीएमसीसी मेडिको लीग 2026 के 15वें सीजन में एक नया इतिहास लिखा गया। पहली बार टूर्नामेंट में उतरी एम टी खान नाइट राइडर्स ने अपने दमदार प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया और डेब्यू सीजन में ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। कैप्टन डॉ एम टी खान, वाईस कैप्टेन डॉ दानिश खान और टीम मैनेजर डॉ बद्री मंडुरे के नेतृत्व में टीम ने पूरे सीजन अनुशासन और जज्बे की मिसाल पेश की। क्वार्टर फाइनलः टेबल टॉपर कल्याण राइडर्स को किया बाहरलो-स्कोरिंग मुकाबले में नाइट राइडर्स ने 155 रन का बचाव करते हुए कल्याण राइडर्स को 146 रन पर रोक दिया। कप्तान डॉ एम टी खान ने 48 रन और 4 विकेट लेकर 'मैन ऑफ द मैच' प्रदर्शन किया। डॉ अजीज ने 49 रनों की अहम पारी खेली। सेमीफाइनलः अनुभव पर युवा जोश भारी मजबूत ऐरोली टीम के खिलाफ नाइट राइडर्स ने पहले खेलकर 130 रन बनाए। जवाब में डॉ जावेद के 3 विकेट और डॉ अजित की कसी हुई गेंदबाजी के दम पर ऐरोली को सिर्फ 96 रन पर समेट दिया। डॉ अफजल और डॉ दानिश खान ने 30-30 रन का योगदान दिया।

ग्रैंड फाइनलः DRDF से छीना खिताब

फाइनल में DRDF ने 158 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। सलामी बल्लेबाज डॉ अजित ने 48 गेंदों पर 74 रन की तूफानी पारी खेलकर नींव रखी। आखिरी ओवरों में डॉ बद्री मंडुरे के 12 गेंद पर 24 रन और डॉ इखलास के 18 गेंद पर नाबाद 24 रन की 48 रन की साझेदारी ने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पूरे ठाणे मेडिकल जगत में नाइट राइडर्स की इस जीत की चर्चा है। टीमवर्क और संघर्ष की इस कहानी ने लीग को एक नई चैंपियन टीम दी है।

2026 की पहली तिमाही में 5वें स्थान पर पहुंचा स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला

गयाजी(उत्तरशक्ति)। मोटोरोला ने भारत में अपनी मजबूत विकास गति को जारी रखते हुए 2026 की पहली तिमाही में 5वें स्थान पर पहुंचने वाले स्मार्टफोन ब्रांड के रूप में उभरा है। ब्रांड 2024 की पहली तिमाही में 9वें स्थान से मात्र 2 वर्षों में टॉप 5 में शामिल हो गया है जो भारतीय स्मार्टफोन उद्योग में सबसे तेज विकास छलांग है। मोटोरोला का मार्केट शेयर 2024 की पहली तिमाही में 4.6 प्रतिशत से बढ़कर 2025 की पहली तिमाही में 7.5 प्रतिशत और 2026 की पहली तिमाही में 8.9 प्रतिशत हो गया है। यह बढ़ोतरी मोटो जी, मोटोरोला ऐज, रेजर और नई पेश की गई मोटोरोला सिग्नेचर सीरीज जैसी मजबूत पोर्टफोलियो रणनीति से संचालित है। मोटोरोला के मैनेजिंग डायरेक्टर, टीएम नरसिम्हन ने कहा कि मोटोरोला अपने सॉफ्टवेयर और कनेक्टेड इकोसिस्टम को और मजबूत कर रहा है। हाल ही में घोषित मोटोरोला किरा के जरिए कंपनी अब स्मार्टफोन, पीसी, टैबलेट, वियरेबल्स और पर्सनल ऑडियो डिवाइस के बीच बेरोकटोक इंटरऑपरेबिलिटी सुनिश्चित कर रही है। गूगल जेमिनाई, माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट और परप्लेक्सिटी जैसी साझेदारियों, डिसरप्टिव फॉर्म फैक्टर्स, सीएमएफ इनोवेशन और इमेजिंग क्षमता के साथ मिलकर मोटोरोला अधिक सहज एआई-आधारित अनुभव दे रहा है और एक लाइफस्टाइल-केंद्रित टेक्नोलॉजी ब्रांड के रूप में खुद को मजबूती से स्थापित कर रहा है।

विवाहिता ने की फांसी लगाकर आत्महत्या,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के हुसेनपुर गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह घर में गैस सिलेंडर खत्म होने से नाराज थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उक्त गांव निवासी उदयराज गौड़ की पत्नी 25 वर्षीया विशाखा गौड़ गैस सिलेंडर खत्म होने के कारण परेशान थी। पति उदयराज के अनुसार, उन्होंने पत्नी से गैस न मिलने की बात कही थी और दो-चार दिन लकड़ी पर भोजन बनाने की सलाह दी थी इसी बात से नाराज होकर विशाखा अपने कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों को शक हुआ। उन्होंने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बाद में परिजनों ने कमरे के अंदर साड़ी का फंदा बनाकर पंखे के हुक से लटका उसका शव देखा।

जौनपुर जिला अस्पताल में बड़ी लापरवाही, 18 मई से खराब पड़ी केबिल, जनरेटर में लगी आग, डायलिसिस सेवा ठप होने के आसार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गंभीर लापरवाही सामने आई है। जानकारी के अनुसार अस्पताल में बीते 18 मई से बिजली की केबिल खराब पड़ी हुई है, जिसकी जानकारी सीएमएस को भी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं कराया गया। बिजली व्यवस्था बाधित होने के कारण अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा जनरेटर के सहारे संचालित की जा रही थी। इसी बीच आज दोपहर जनरेटर में अचानक आग लग गई, जिससे अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 40 मरीजों का डायलिसिस किया जाता है। जनरेटर में आग लगने के बाद अब कल से डायलिसिस सेवा प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों की चिंता बढ़ गई है। एक मरीज ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अस्पताल में पिछले कई दिनों से बिजली व्यवस्था की समस्या बनी हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के 12 वर्ष पूरे : भारत बना वैश्विक शक्ति

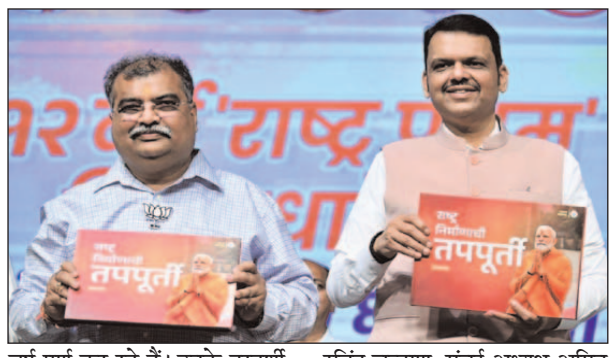

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 12 वर्षों के कार्यकाल में यह साबित कर दिखाया है कि देश का स्वाभिमान जागृत करके व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है। केवल अनुदानों पर निर्भर रहने की मानसिकता से बाहर निकालकर भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानपूर्वक खड़ा करने का कार्य उन्होंने किया है। इतना ही नहीं, मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए देश को मेक फॉर वर्ल्ड की दिशा में ले जाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जो भारत पहले एक याचक राष्ट्र के रूप में देखा जाता था, उसे एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति बनाने का काम प्रधानमंत्री मोदीजी ने किया है, ऐसे गौरवपूर्ण शब्द मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में व्यक्त किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 मई 2026 को अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। उनके दूरदर्शी, परिवर्तनकारी और सफल नेतृत्व का यह कालखंड देश और सभी भारतीयों के लिए एक वरदान साबित हुआ है। इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्र निर्माण की तपपूर्ति नामक विशेष संग्रहणीय अंक का प्रकाशन मुंबई के प्रभादेवी स्थित रविंद्र नाट्यमंदिर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, मुंबई अध्यक्ष अमित साटम, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, विधायक निरंजन डावखरे, संजय कुटे और सुनील राणे उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले 12 वर्षों में किया गया कार्य अत्यंत व्यापक और महत्वपूर्ण है, जिसे एक ही पुस्तक में समेटना कठिन है। देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए उन्होंने निरंतर प्रयास किए। ह्लहर घर शौचालयह्व और ह्लउज्ज्वला गैस योजनाह्व जैसी योजनाओं के माध्यम से जनहित में बड़े कदम उठाए गए। सरकार ने लोगों को केवल अनुदान पर निर्भर न रखते हुए गरीब-केन्द्रित विकास का एजेंडा अपनाया। इसी का परिणाम है कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफलता मिली। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, जो आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, डिजिटल तकनीक से सशक्त है, उद्यमशील है और नारीशक्ति को केंद्र में रखता है। राष्ट्र निर्माण की तपपूर्ति केवल एक संग्रहणीय अंक नहीं, बल्कि देश में हुए परिवर्तन का जीवंत इतिहास है।

इंदौर में बुजुर्गों की अनदेखी पड़ी भारी, बेटे के परिवार को मकान खाली करने का आदेश

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। सोमवार को कलेक्टोरेट में आयोजित वृद्धजन विशेष जनसुनवाई में एसडीएम कोर्ट ने भरण-पोषण अधिनियम के तहत महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए छोटे बेटे के परिवार को मकान का हिस्सा खाली कर दंपती को कब्जा सौंपने के निर्देश दिए हैं।

यह कार्रवाई एक हफ्त में पूरी करनी होगी। यह मामला वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में सराहनीय पहल है। माता-पिता एव वारष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम के तहत आवेदन प्रस्तुत किया था। मामले की सुनवाई के बाद सोमवार को विशेष जनसुनवाई शिविर में एसडीएम घनश्याम धनगर

ने छोटे बेटे के परिवार को मकान खाली कर कब्जा सौंपने का आदेश पारित किया। दंपती के एडवोकेट अमित मंडलोई ने बताया कि कश्यप दंपती जूनी इंदौर एसडीएम कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर अपने बेटों और पुत्रवधुओं से प्रताड़ना की शिकायत की थी। सुनवाई के बाद प्रशासन ने दंपती के पक्ष में आदेश जारी करते हुए संपत्ति का कब्जा उन्हें सौंपने का आदेश दिया है। खास बात यह कि आदेश में स्पष्ट लिखा है कि अगर निर्धारित अवधि में बेटा-बहू मकान खाली नहीं करते हैं तो तहसीलदार पुलिस बल के साथ मकान खाली कराकर कश्यप दंपती को कब्जा सौंपे।सुनवाई के बाद प्रशासन ने दंपती के पक्ष में आदेश जारी करते हुए संपत्ति का कब्जा उन्हें सौंपने का आदेश दिया है। खास बात यह कि आदेश में स्पष्ट लिखा है कि अगर निर्धारित अवधि में बेटा-बहू मकान खाली नहीं करते हैं तो तहसीलदार पुलिस बल के साथ मकान खाली कराकर कश्यप दंपती को कब्जा सौंपे। एडवोकेट ने बताया कि कानून के माध्यम से किसी असहाय माता-पिता को उनका हक और सम्मान वापस दिलाना समाज के लिए सबसे बड़ी सेवा है। अक्सर इस उम्र में बुजुर्ग कानूनी बारीकियों को समझने या अदालतों के चक्कर काटने में असमर्थ होते हैं। ऐसे उनके पक्ष में खड़े होना और उन्हें न्याय दिलाना वास्तव में सुकून देता है ।

भाजपा वसई-विरार ज़िले का वर्कर ट्रेनिंग कैंप प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की मौजूदगी में संपन्न

वसई रोड। वसई-विरार ज़िले के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर भाजपा महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में संपन्न हुआ। शिविर में देश के सामने मौजूद चुनौतियों, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा संगठन विस्तार जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के वसई-विरार ज़िला संयोजक मनोज बारोट ने बताया कि इस महाभियान के अंतर्गत हर तीन वर्ष में बूथ स्तर से लेकर केंद्रीय स्तर तक के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत के आधार पर कार्य करती है और नई पीढ़ी के कार्यकताओं तथा अन्य दलों से जुड़े कार्यकताओं में अंत्योदय की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। यह दो दिवसीय आवासीय शिविर 23 और 24 मई को उत्तन स्थित रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा, नालासोपारा के विधायक राजन नाइक तथा वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित के मार्गदर्शन एवं जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल के नेतृत्व में किया गया।

शिविर में पार्टी की विचारधारा, कार्यपद्धति, संगठन विस्तार, देश के समक्ष चुनौतियां तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन पर कुल 11 सत्र आयोजित किए गए। इसमें 128 पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा नेता रघुनाथ कुलकर्णी, विधायक राजन नाइक, जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, नेता प्रतिपक्ष मनोज पाटिल और गटनेता अशोक शेलके ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शिविर को प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसके अलावा सांसद डॉ. हेमंत सावरा, रघुनाथ कुलकर्णी, विधायक संजय केलकर, विधायक अतुल भातखलकर, मनीषा चौधरी, विधायक माधवी नाइक, नरेंद्र पवार, प्रतीक करपे और अवधूत वाघ ने विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन किया।

अंतिम सत्र में विधायक राजन नाइक ने प्रदेश महासचिव विधायक माधवी नाइक की उपस्थिति में समापन संबोधन दिया। वहीं जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए शिविर समाप्ति की घोषणा की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, विधायक राजन नाइक, नेता प्रतिपक्ष मनोज पाटिल, गटनेता अशोक शेलके, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल सहित जिले के कई पदाधिकारी, नगरसेवक और मंडल अध्यक्ष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह जानकारी मनोज बारोट ने मीडिया को दी।

फ्लोरा फाउंडेशन और मुस्कान संस्था द्वारा मीरारोड में गुरुकुल बोर्डिंग स्कूल की स्थापना

-प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जैन मुनिश्री जिन रत्नविजयजी म.सा. की प्रेरणा से फ्लोरा फाउंडेशन एवं मुस्कान संस्था के संयुक्त सहयोग से भारतभर में गुरुकुलों के निर्माण का संकल्प लिया गया है। इस अभियान की शुभ शुरूआत मीरा रोड, महाराष्ट्र में हुई, जहां दान दाताओं के सहयोग से दो मंजिला गुरुकुल विद्यालय (बोर्डिंग) की स्थापना की गई। इस गुरुकुल में लगभग 100 बच्चों के लिए शिक्षा, भोजन एवं रहने की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस गुरुकुल विद्यालय का उद्घाटन महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मंगलप्रभात लोढ़ा एवं स्थानीय विधायक श्री नरेंद्र मेहता द्वारा सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में किया गया।उद्घाटन समारोह के दौरान संस्था द्वारा घोषणा की गई कि एक बच्चे का वार्षिक पालन-पोषण एवं शिक्षा खर्च 2,07,000 (दो लाख सात हजार रुपये) होगा। यह घोषणा सुनते ही उपस्थित दानदाताओं ने आगे बढ़कर पहले वर्ष का संपूर्ण खर्च वहन करने हेतु सहयोग प्रदान किया और अपने धन का सदुपयोग किया।

संस्था का उद्देश्य

जहां-जहां देवालय, वहां-वहां गुरुकुल विद्यालय एवं गौशाला का निर्माण करना है। इसके साथ ही अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों को संस्कार, इंसानियत, देशभक्ति, स्वरोजगार (स्किल डेवलपमेंट) एवं सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण भी प्रदान करना है। यह जानकारी फ्लोरा फाउंडेशन NGO चेयरमैन ट्रस्टी बाबुभाई भवानजी तथा मुस्कान संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी भरत नागड़ा जैन ने दी। आगे पूर्व डेप्युटी मेयर बाबुभाई भवानजी ने कहा कि अब जैन एवं हिन्दू समाज संगठित होके संकल्प लिया है कि जहां देवालय वहां गुरुकुल विद्यालय, में संस्कार, देशभक्ति, इंसानियत सेवा, और शास्त्र के पाठ के साथ - शस्त्र विद्या, स्वरोजगार, सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग देकर और गौशाला का निर्माण कराया जायेगा।

मराठवाड़ा को मिली पहली लीगल एआई शिक्षा पहल

मुंबई। भारतीय अदालतों का स्वरूप बदल रहा है। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पहले से ही अनुबंधों (कॉन्ट्रैक्ट्स) की समीक्षा कर रहा है, पुराने अदालती मामलों के उदाहरणों को रेखांकित कर रहा है और ई-डिस्कवरी वर्कफ़्लो को संचालित कर रहा है। अब सवाल यह नहीं है कि वकील एआई के साथ काम करेंगे या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या वे इसे इतनी अच्छी तरह समझेंगे कि इस क्षेत्र का नेतृत्व कर सकें। मराठवाड़ा लीगल एंड जनरल एजुकेशन सोसाइटी के मणिकचंद पहाड़े लॉ कॉलेज (एम पी लॉ कॉलेज), छत्रपति संभाजीनगर और फाइंडेबिलिटी साइंसेज को पूरा भरोसा है कि मराठवाड़ा इस सवाल का सबसे पहले (सकारात्मक) जवाब देगा। दोनों संस्थानों ने इस क्षेत्र में पहले समर्पित लीगल एआई शिक्षा कार्यक्रमों में से एक की शुरूआत करने के लिए पांच साल के समझौता ज्ञापन (टङ्घव) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एम पी लॉ कॉलेज परिसर में 'लीगल एआई में ३ महीने का सर्टिफिकेट कोर्स' और एक पूर्ण 'एआई एवं लीगल एथिक्स रिसर्च लैब' शुरू की जाएगी।

पालघर जिले के लोगों को समर्पित संसद रत्न अवॉर्ड: डॉ. हेमंत विष्णु सावरा

पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा को संसद में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिष्ठित ह्लसंसद रत्नह्व अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान को लेकर उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे पालघर जिले की जनता का सम्मान है।

डॉ. सावरा ने अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि पालघर की जनता के प्यार, विश्वास और आशीर्वाद की बदौलत ही उन्हें संसद में क्षेत्र के मुद्दों को मजबूती से उठाने की ताकत मिली। इसी कारण वे यह सम्मान पालघर लोकसभा क्षेत्र के सभी नागरिकों को समर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा कि जनता द्वारा जताए गए विश्वास, पार्टी नेतृत्व द्वारा दिए गए अवसर और कार्यकताओं की निरंतर मेहनत ने उन्हें संसद में क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में मदद की।

सांसद डॉ. सावरा ने बताया कि उन्होंने लगातार विकास, रोजगार, इंफ्रास्ट्रक्चर, किसानों, मछुआरों, आदिवासी समाज और आम नागरिकों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई है और भविष्य में भी यह प्रयास और अधिक मजबूती से जारी रहेगा।

उन्होंने आगे कहा, ह्लइस सम्मान में मेरे साथी कार्यकताओं, मित्रों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों, पत्रकारों, परिवार तथा मेरे माता-पिता के आशीर्वाद का बड़ा योगदान है। उनके सहयोग और समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं था।ह्व

डॉ. सावरा ने कहा कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे तथा पालघर के विकास से जुड़े मुद्दों को संसद में और अधिक प्रभावी तरीके से उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे।

उन्होंने इसे अपने जीवन का बेहद भावुक क्षण बताते हुए कहा कि चारों ओर से मिल रही शुभकामनाओं से वे अभिभूत हैं। साथ ही उन्होंने माना कि इस सम्मान के साथ उनकी जिम्मेदारी भी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

कृषि सीजन से पहले ग्रामीण महाराष्ट्र में इंडियनऑयल ने निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित की

मुंबई। महाराष्ट्र के कई जिलों में मौसमी रूप से बढ़ती ईंधन मांग के बीच इंडियनऑयल पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) और एलपीजी की सुचारू एवं निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए है।

हाल के दिनों में इंडियनऑयल ने महाराष्ट्र भर में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। 1 से 25 मई 2026 की अवधि के दौरान पेट्रोल (एमएस) की रिटेल बिक्री में वर्ष-दर-वर्ष 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि में डीजल (एचएसडी) की रिटेल बिक्री में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो बढ़ी हुई मौसमी मांग को दर्शाती है।

डीजल की मांग में वर्तमान वृद्धि मुख्य रूप से महाराष्ट्र के कृषि क्षेत्रों में चल रही खेती संबंधी गतिविधियों के कारण है, जहां किसान आगामी बुवाई सीजन की तैयारी में खेत तैयार कर रहे हैं। कृषि और घरेलू जरूरतों के लिए निर्बाध ईंधन उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु इंडियनऑयल लॉजिस्टिक्स और सप्लाई ऑपरेशंस का लगातार समन्वय कर रहा है।

नागपुर, जालना, बुलढाणा, अकोला, वाशिम और छत्रपति संभाजीनगर जिलों के किसानों और ग्राहकों ने इंडियनऑयल रिटेल आउटलेट्स पर डीजल की सुचारू उपलब्धता और निर्बाध सेवाओं को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया साझा की है। जालना के एक किसान ने कहा, खेती के कार्यों के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण समय है और ट्रैक्टर तथा खेत की तैयारी के लिए हमें नियमित रूप से डीजल की आवश्यकता होती है। इंडियनऑयल पंपों पर हमें बिना किसी परेशानी के ईंधन मिल रहा है।

वाशिम के एक ग्राहक ने कहा, हमारे गांव के पास स्थित इंडियनऑयल रिटेल आउटलेट पर डीजल आसानी से उपलब्ध हो रहा है, जिससे इस व्यस्त कृषि सीजन के दौरान किसानों को काफी सहायता मिल रही है।

आयुष्मान कार्ड की धीमी प्रगति पर डीएम सख्त, कई एमओआईसी के वेतन रोकने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आयुष्मान कार्ड निर्माण की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी।

समीक्षा के दौरान जनपद में आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति मात्र 60 प्रतिशत पाए जाने पर जिलाधिकारी ने मुंगराबादशाहपुर, सुइथाकला, सुजानगंज, धमार्पुर एवं सिकरारा विकास खंडों में कम प्रगति पर संबंधित एमओआईसी के वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही जिन क्षेत्रों में पिछले 10 दिनों में 100 से कम आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, वहां के अधिकारियों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने बायो मेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण तथा सभी सीएचसी और पीएचसी में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएचसी महराजगंज में ओपीडी संख्या कम पाए जाने पर भी उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और जर्जर भवनों में चिकित्सकीय सेवाएं संचालित न करने के निर्देश दिए।

नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ग्राम सचिवालयों में भी मेडिकल यूनिट लगाई जाए तथा इसके लिए दो दिन पूर्व अनाउंसमेंट कराकर लोगों को जानकारी दी जाए। उन्होंने आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण के बाद ही रिपोर्ट लगाने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रतिदिन होने वाले सीटी स्कैन, सघन टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्क्रीनिंग एवं पंजीकरण, निःक्षय मित्र योजना, पोषण पोटली तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। एचबीएनसी कार्यक्रम में खराब प्रगति पर एमओआईसी सोंधी समेत अन्य संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आशा बहनों का भुगतान समय पर सुनिश्चित करने को कहा गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रभात, एसीएमओ, समस्त एमओआईसी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मीरा भायंदर के आम मरीजों के लिए वरदान बना मानस हॉस्पिटल

भायंदर। बदलते परिवेश में जहां अस्पतालों पर इलाज के नाम पर मरीजों से मनमानी बिल वसूलने की बात कहीं जा रही है, वहीं मीरा भायंदर के इंद्रलोक फेस 3 में बालासाहेब ठाकरे मैदान के ठीक सामने स्थित मानस हॉस्पिटल आम मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है। अस्पताल के सीईओ संदीप तिवारी ने सेवा की भावना के साथ इस अस्पताल का संचालन शुरू किया है। पहले यह अस्पताल ऑरेंज हॉस्पिटल के नाम से जाना जाता था। वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने अस्पताल का निरीक्षण किया तो उन्होंने पाया कि यह हॉस्पिटल वास्तव में मानव सेवा के संकल्प को साकार कर रहा है। 32 बेड वाले अस्पताल में आईसीयू समेत हर प्रकार की सुविधाएं तथा हर प्रकार के मरीजों के इलाज की सुविधा है। यह सभी कंपनियों के मेडिक्लेम को स्वीकार कर कैशलेस उपचार की सुविधा है। अस्पताल की सबसे बड़ी खासियत है कि यहां ओपीडी पूरी तरह से फ्री है। किसी भी मरीज को डॉक्टर को दिखाने के लिए किसी भी प्रकार की फीस नहीं देनी पड़ती है। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ राजू पाटिल तथा चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ साकरे जैसे अच्छे डॉक्टरों की टीम यह कार्यरत है। उत्तर प्रदेश के भदोही जिला स्थित चौगुना, सुरियावा निवासी संदीप तिवारी का परिवार सम्मानित परिवार के रूप में जाना जाता है। उनके एक चाचा रविंद्र तिवारी भाजपा के पूर्व विधायक हैं तो दूसरे चाचा अनिरुद्ध तिवारी जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। बड़े भाई पप्पू तिवारी जिला पंचायत सदस्य है तो बड़े भाई सचिन त्रिपाठी ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हैं। उनके छोटे भाई गौरव त्रिपाठी पुलिस उपाधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं।

रापिडो केयर्स: रापिडो ने पूरी मुंबई में गिग वर्कर्स, राइडर्स और रोजाना सफर करने वालों के लिए गर्मी से राहत देने की पहल शुरू की

मुंबई। रापिडो, जो भारत का सबसे बड़ा और सबसे किफायती मोबिलिटी प्लेटफार्म है, ने पिछले हफ्ते अपने रापिडो केयर्स' प्रोग्राम के तहत पूरी मुंबई में गर्मी से राहत देने की एक पहल शुरू की. यह पहल बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के उन लोगों पर पड़ रहे असर को देखते हुए शुरू की गई है, जो शहर को रोजाना चालू रखने के लिए लंबे समय तक बाहर काम करते हैं. व्यापक शहरी मोबिलिटी इकोसिस्टम के लिए जनहित में की गई इस पहल का दायरा रापिडो के कैप्टन नेटवर्क से भी आगे तक फैला हुआ है. इसका मकसद डिलीवरी पार्टनर्स, ऑटो और बाइक राइडर्स, फ्रंटलाइन वर्कर्स, रोजाना मजदूरी करने वाले और उन यात्रियों को सहारा देना है, जो शहर भर में गर्मी की कठोर परिस्थितियों का सबसे ज्यादा शिकार होते हैं. पिछले दस दिनों से सफलतापूर्वक चल रही 'मुंबई हाइड्रेशन इनिशिएटिव' अभी पूरे मुंबई में सक्रिय है. इसमें ज्यादा भीड़-भाड़ वाले मुख्य ट्रांजिट और कम्यूटर हब शामिल हैं, जैसे कि अंधेरी, जोगेश्वरी, बोरीवली, ठाणे, विरार,

वसई, नालासोपारा और नवी मुंबई. हम इस अभियान का और विस्तार कर रहे हैं, जिसका अगला चरण मीरा भायंदर में शुरू होने वाला है. इस पहल के तहत हर जगह पर रोजाना औसतन लगभग 2,000-2,500 लोग आते हैं. गर्मी के चरम महीनों में तुरंत राहत देने के मकसद से पानी की उपलब्धता, जमीनी स्तर पर मदद और गर्मी से बचाव के बारे में जागरूकता फैलाने वाली गतिविधियों के जरिए रोजाना लगभग 30,000 लोगों तक मदद पहुंचाई जा रही है. पिछले हफ्ते शुरू होने के बाद से रापिडो ने शहर भर के मुख्य मोबिलिटी और ट्रांजिट हब पर 1 लाख से ज्यादा पानी की बोतलें और ओआरएस के पैकेट बांटे हैं. इनमें दादर टीटी, साकीनाका सर्कल, वाशी रेलवे स्टेशन, खारघर रेलवे स्टेशन और ठाणे का माजीवाड़ा सर्कल शामिल हैं. जमीन पर हाइड्रेशन सपोर्ट देने के अलावा रापिडो कैप्टन्स को गर्मी से बचने के टिप्स, पानी पीने की याद दिलाने वाले मैसेज और गर्मी से जुड़ी चेतावनियां भी रेगुलर पुश नोटिफिकेशन के जरिए भेज रहा है. इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि जब वे मौसम की सबसे मुश्किल स्थितियों में सड़कों पर लंबे समय तक काम कर रहे हों, तो वे सुरक्षित रहें.

इस पहल के बारे में बात करते हुए रापिडो के वाइस प्रेसिडेंट, रोहित राठौड़ ने कहा कि बहुत ज्यादा गर्मी उन लोगों पर बहुत ज्यादा शारीरिक बोझ डालती है जो हर दिन हमारे शहरों को चालू रखते हैं - जैसे डिलीवरी पार्टनर, ड्राइवर, राइडर, फ्रंटलाइन वर्कर और लाखों यात्री जो घंटों बाहर सड़कों पर बिताते हैं. इस पहल के जरिए हम जमीनी स्तर पर ऐसा सार्थक सपोर्ट देना चाहते थे जो हाल के वर्षों की सबसे मुश्किल गर्मियों में से एक के दौरान लोगों को आराम और राहत दे सके. एक ऐसे प्लेटफार्म के तौर पर जो शहरी विकास और लोगों की रोजी-रोटी से गहराई से जुड़ा है, हम उन लोगों की रोजमर्रा की असलियत को समझते हैं जो सड़कों पर लंबे समय तक काम करते हैं. जमीन पर हाइड्रेशन सपोर्ट के साथ-साथ, रापिडो कैप्टन्स को गर्मी से बचने के टिप्स, पानी पीने की याद दिलाने वाले मैसेज और गर्मी से जुड़ी चेतावनियां भी रेगुलर पुश नोटिफिकेशन के जरिए भेज रहा है, जिससे वे मौसम की सबसे मुश्किल स्थितियों में सुरक्षित रह सकें.

महिम में 'Mehman Privé' का भव्य आगाज,लग्जरी गिफ्टिंग की दुनिया में नया अध्याय शुरू

मुंबई। महिम वेस्ट में 'Mehman Privé' के भव्य उद्घाटन के साथ लग्जरी गिफ्टिंग की दुनिया में एक नया अध्याय जुड़ गया। यह शानदार शाम केवल एक प्रीमियम गिफ्टिंग डेस्टिनेशन के लॉन्च का अवसर नहीं थी, बल्कि एक युवा उद्यमी के उस प्रेरणादायक सफर का उत्सव भी थी, जिसने एक छोटे से सपने को मुंबई के उभरते हुए लग्जरी गिफ्टिंग ब्रांड में बदल दिया। कार्यक्रम में डॉ. मंजू लोढ़ा, सुहैल खंडवानी, दिलशाद खान, अजय दुबे और अर्चना जैन कई गणमान्य अतिथि, सेलिब्रिटी, उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्ता, इंफ्लुएंसर्स और व्यापार जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे। साल 2019 में युवा उद्यमी Kriishh Jimmy Navin Gada ने मात्र 14 वर्ष की उम्र में केवल 1000 के निवेश के साथ'Mehman' की शुरूआत की थी। सोच-समझकर और दिल से दिए जाने वाले उपहारों की अवधारणा पर आधारित यह छोटी पहल आज 'Mehman Privé' के रूप में एक प्रतिष्ठित लग्जरी गिफ्टिंग हाउस बन चुकी है। राष्ट्रीय स्तर के राइफल शूटर रहे Kriishh ने अपने अनुशासन और दूरदृष्टि को व्यवसाय में उतारते हुए इको-फ्रेंडली प्लांट बुके और पर्सनलाइज्ड गिफ्टिंग जैसे अभिनव विचार पेश किए, जिन्हें आधुनिक ग्राहकों ने खूब पसंद किया। वर्तमान में University of Warwick से बीएससी इन अकाउंट्स एंड फाइनेंस की पढ़ाई कर रहे Kriishh आज भी पूरे जुनून और नवाचार के साथ ब्रांड का नेतृत्व कर रहे हैं। Mehman Privé केवल लग्जरी तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकारों को भी अपने साथ जोड़ता है।

एचपीसीएल और टाटा मोटर्स ने प्रयुक्त ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स के लिए स्केलेबल सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल विकसित करने हेतु साझेदारी

मुंबई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), एक महारत्न ऑयल मार्केटिंग कंपनी, और भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निमार्ता कंपनी टाटा मोटर्स ने प्रयुक्त ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स के जिम्मेदार संग्रहण और पुनर्चक्रण के लिए एक संरचित एवं स्केलेबल मॉडल के पायलट संचालन हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी दो अग्रणी भारतीय संगठनों की पूरक क्षमताओं को एक साथ लाती है, ताकि एक महत्वपूर्ण स्थिरता चुनौती का समाधान किया जा सके, साथ ही भारत के विकसित हो रहे एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी फ्रेमवर्क के अनुपालन और देश के सर्कुलर इकोनॉमी लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सके। इस पहल का उद्देश्य प्रयुक्त लुब्रिकेंट्स–जिन्हें खतरनाक अपशिष्ट के रूप में वगीर्कृत किया जाता है–के संग्रहण, भंडारण और पुनर्चक्रण के लिए एक संगठित और ट्रेस करने योग्य प्रणाली स्थापित करना है। इस प्रक्रिया के माध्यम से इन्हें उच्च गुणवत्ता वाले री-रिफाइंड बेस ऑयल में परिवर्तित किया जाएगा, जिससे संसाधन दक्षता बढ़ेगी और पर्यावरणीय जोखिम कम होगा। यह पायलट जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नए मानक स्थापित करने और भारत को संसाधन-कुशल सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ाने में सहायक होगा। पायलट लॉन्च करते हुए एचपीसीएल के कार्यकारी निदेशक झ ल्यूब्स, चि. श्रीनिवास ने कहाः प्रयुक्त तेल में वास्तविक सकुर्लैरिटी तभी संभव है जब री-रिफाइंड बेस ऑयल को दोबारा तैयार लुब्रिकेंट्स में शामिल किया जाए। टाटा मोटर्स के साथ हमारी यह साझेदारी प्रयुक्त तेल की सकुर्लैरिटी के लिए एक स्केलेबल मॉडल विकसित करने और संचालन में कार्बन फुटप्रिंट कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए टाटा मोटर्स लिमिटेड के हेड झ पाट्र्स एंड सर्विसेज, विक्रम अग्रवाल ने कहाः यदि प्रयुक्त ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स का जिम्मेदारीपूर्वक प्रबंधन न किया जाए, तो यह दीर्घकालिक पर्यावरणीय नुकसान का कारण बन सकता है। एक समग्र मोबिलिटी समाधान प्रदाता के रूप में, टाटा मोटर्स अपने कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो को संपूर्ण सेवा 2.0 के माध्यम से और मजबूत करता है, जो ग्राहकों को एंड-टू-एंड लाइफसाइकिल समाधान प्रदान करता है। इसमें सुनिश्चित टर्नअराउंड समय, वार्षिक मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट और जेन्युइन स्पेयर पाट्र्स की उपलब्धता शामिल है। इसके अतिरिक्त, फ्लीट एज नामक कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म डेटा-आधारित फ्लीट ऑप्टिमाइजेशन और बेहतर वाहन अपटाइम सुनिश्चित करता है। टाटा मोटर्स का भारतभर में 4,500 से अधिक सेल्स और सर्विस टचपॉइंट्स का नेटवर्क है।

हैंडपंप से डीजल जैसी दुर्गंध निकलने की खबर की जांच में सामने आई तकनीकी खराबी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील के सिंगरामऊ थाना क्षेत्र स्थित रामीपुर गांव में इंडिया मार्का हैंडपंप से डीजल जैसी दुर्गंध और तैलीय पदार्थ निकलने की वायरल खबर की जांच में तकनीकी खराबी का मामला सामने आया है। तहसीलदार बदलापुर ने बताया कि मामले की जांच के लिए लेखपाल को मौके पर भेजा गया। जांच में पाया गया कि किसान विजय सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह ने करीब तीन वर्ष पूर्व निजी उपयोग के लिए इंडिया मार्का हैंडपंप लगवाया था, जिसमें सबमर्सिबल पंप भी लगाया गया था।

स्थलीय परीक्षण के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि सबमर्सिबल पंप की मोटर की ऑयल सील लीक होने के कारण ऑयल पानी के साथ बाहर आ रहा था। इसी वजह से पानी में डीजल या पेट्रोलियम जैसी दुर्गंध महसूस हो रही थी।

मौके पर मौजूद ग्राम पंचायत सचिव अनूप सिंह और रोजगार सेवक पंकज सिंह ने बताया कि खंड विकास अधिकारी बदलापुर के निर्देश पर किसान की सहमति से मिस्त्री बुलाकर सबमर्सिबल पंप निकलवाया जा रहा है, ताकि हैंडपंप से परिवार को स्वच्छ पेयजल मिल सके।अधिकारियों ने बताया कि सबमर्सिबल पंप की मरम्मत अथवा नया पंप उपलब्ध होने के बाद उसे दोबारा इंस्टॉल कराया जाएगा। जांच के दौरान अधिकारियों, किसान और ग्रामीणों ने साक्ष्य के रूप में हस्ताक्षर भी किए।

माँ–बहन में दिखेगा एक भयंकर कांड और घमासान कलेश

मुंबई। ध्यान से देखिए आज हुआ है एक भयावह कांड का खुलासा! बात कर रहे है आदर्श कॉलोनी की मशहूर रेखा, जया और सुषमा के कारनामों की। अब इस कांड की पूरी पोल खोलते हुए नेटफ्लिक्स ने अपनी नई फिल्म माँ-बहन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह एक मजेदार और जबरदस्त क्राइम-कॉमेडी है, जहां झूठ पर झूठ बोला जाता है, शक बढ़ता जाता है और एक उलझा हुआ मां-बेटी का परिवार अपने सबसे बड़े कांड से बचने की कोशिश करता है। क्या है ये कांड और किसने किया ये कांड- सब पता चलेगा 4 जून को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। अबंडंशिया एंटरटेनमेंट और ओपनिंग इमेज फिल्म्स के साथ मिलकर बनाई गई इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। यह कहानी एक ऐसे उलझी हुई मां-बेटी की तिकड़ी की कहानी है, जो एक लाश को छिपाने की कोशिश करती है। इसी बीच उन्हें अजीब हालात, टांग अड़ाने वाले पड़ोसी और अपने ही अनोखे परिवार की उलझनों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में रेखा के किरदार में माधुरी दीक्षित, जया के रोल में तृप्ति डिमरी, सुषमा के किरदार में धारणा दुर्गा, गुप्ताजी के रोल में रवि किशन, गुप्ताइन के किरदार में गीतांजलि कुलकर्णी, माहेश्वरी के रोल में अरुणोदय सिंह और मानस के किरदार में शार्दुल भारद्वाज नजर आएंगे।

ट्रेलर में रेखा, जया और सुषमा की जिंदगी में मची पूरी अफरा-तफरी दिखाई गई है, जो पहले से ही एक-दूसरे को झेलने में परेशान हैं और तभी उनकी जिंदगी में सबसे बड़ा हादसा हो जाता है। रेखा जी के घर में है एक डेड बॉडी! आखिर क्या हुआ था उस रात? इसके बाद शुरू होता है घबराहट, राज छिपाने की कोशिश, इमोशनल ड्रामे और कई मजेदार लेकिन अजीब फैसलों का जबरदस्त रोलरकोस्टर। फुल तबाही मगर चाय की चुस्की के साथ!

फिल्म के निर्देशक और निर्माता सुरेश त्रिवेणी ने कहा, माँ-बहन के जरिए हम एक ऐसी कहानी दिखाना चाहते थे, जो अपनी जड़ों से जुड़ी हो और साथ ही दर्शकों का भरपूर मनोरंजन भी करे और जिसमें कलाकारों की परफॉर्मेंस भी कमाल की हो। यह फिल्म एक ऐसे उलझे हुए परिवार की कहानी है, जिसमें मां रेखा और उनकी दो बेटियां जया और सुषमा हमेशा आपस में लड़ती रहती हैं। लेकिन फिर उनकी जिंदगी में एक ऐसा कांड हो जाता है, जिसकी वजह से हालात पूरी तरह बिगड़ जाते हैं और उन्हें कई अजीब, मजेदार और मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। अब उन्हें इस पूरे मामले को छिपाने और संभालने की कोशिश करनी पड़ती है। फिल्म का हर किरदार अपनी अलग ऊर्जा लेकर आता है, जिससे इनका रिश्ता और भी उलझा हुआ, अनिश्चित और इंसानी भावनाओं से भरा लगता है। नेटफ्लिक्स और अबंडंशिया एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर इस खास प्रोजेक्ट पर काम करना बेहद रोमांचक रहा। वहीं माधुरी, तृप्ति, धारणा, रवि, गीतांजलि, अरुणोदय और शार्दुल जैसे कलाकारों ने इस कहानी को और भी खास बना दिया। ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है, असली हंगामा 4 जून से शुरू होगा।

मेक इन इंडिया को अपनाएं अमेजन एमएक्स प्लेयर ने 'मेड इन इंडिया - ए टाइटन स्टोरी ' ट्रेलर का अनावरण किया

मुंबई। कुछ कहानियाँ कंपनियों का निर्माण करती हैं, कुछ विरासत बनाती हैं, और कुछ चुपचाप राष्ट्रों को विश्व मानचित्र पर रखती हैं। भारत की अग्रणी मुफ्त, प्रीमियम, विज्ञापन-समर्थित वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अमेजॅन एमएक्स प्लेयर ने आज अपनी आगामी श्रृंखला मेड इन इंडिया-ए टाइटन स्टोरी के ट्रेलर का अनावरण किया, जो भारत के सबसे प्रतिष्ठित उपभोक्ता ब्रांडों में से एक के पीछे की असाधारण यात्रा से प्रेरित एक सम्मोहक नाटक है। विनय कामत की प्रशंसित पुस्तक टाइटन-इंडियाज मोस्ट सक्सेसफुल कंज्यूमर ब्रांड से अनुकूलित, इस श्रृंखला में जेआरडी टाटा के रूप में नसीरुद्दीन शाह, जेरक्सेस देसाई के रूप में जिम सर्भ के साथ-साथ वैभव तत्ववादी, नमिता दुबे, लक्षवीर सरन और कावेरी सेठ प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह श्रृंखला मेक इन इंडिया पहल की भावना के साथ प्रतिध्वनित होती है, जिसका उद्देश्य भारत को एक वैश्विक डिजाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलना है। करण व्यास द्वारा लिखित, रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित, छह-भाग वाली श्रृंखला महत्वाकांक्षा, मार्गदर्शन और उत्कृष्टता की अथक खोज की पड़ताल करती है जिसने एक अप्रत्याशित विचार को राष्ट्रीय विरासत में बदल दिया।

उदारीकरण से पहले के भारत में, जब देश आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की कगार पर खड़ा था, तब की पृष्ठभूमि पर आधारित, 'मेड इन इंडियाः ए टाइटन स्टोरी' दूरदर्शी व्यवसायी जेरक्सेस देसाई के नजरिए से टाइटन के उल्लेखनीय उत्थान की कहानी बयां करती है। ट्रेलर महत्वाकांक्षा और अटूट विश्वास से प्रेरित एक यात्रा की सशक्त झलक प्रस्तुत करता है, जहां एक भारतीय घड़ी ब्रांड बनाने का साहसिक विचार धीरे-धीरे एक बहुत बड़े सपने में बदल जाता है। जैसे-जैसे विरोध बढ़ता है और अनिश्चितता का माहौल छा जाता है, जेरक्स देसाई और जेआरडी टाटा इस विश्वास में अडिग रहते हैं कि भारत अपने दम पर कुछ बना सकता है। घड़ियों से शुरू हुआ एक विचार एक ऐसी विरासत में तब्दील हो गया जो देश की पहचान का हिस्सा बन गई।

इस कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, अमेजन एमएक्स प्लेयर के कंटेंट हेड, अमोघ दुसाद ने कहा, ₹मेड इन इंडियाः ए टाइटन स्टोरी सिर्फ एक प्रतिष्ठित ब्रांड की यात्रा से कहीं अधिक है, यह उस महत्वाकांक्षा और उद्यमशीलता की भावना को दशार्ती है जिसने भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय को आकार दिया। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने वाली 'मेक इन इंडिया' पहल की तरह, यह श्रृंखला उन दूरदर्शी लोगों को सम्मानित करती है जिन्होंने भारत में ही विश्व स्तरीय उद्यमों का निर्माण किया। अमेजन एमएक्स प्लेयर में, भारत में रची-बसी प्रीमियम, स्वदेशी कहानियों को बढ़ावा देना हमारी कंटेंट संबंधी सोच का मुख्य हिस्सा है। नसीरुद्दीन शाह और जिम सरभ जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों से सजी यह श्रृंखला एक ऐसी कहानी को गहराई प्रदान करती है जो पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है। हम इस सशक्त यात्रा को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर पूरे देश के दर्शकों के लिए निःशुल्क प्रस्तुत करते हुए बेहद प्रसन्न हैं।

प्रयागराज: खानम आर्ट गैलरी का राष्ट्रीय कलाकार कार्यशाला एवं शिविर 2026 का भव्य शुभारम्भ

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। खानम आर्ट गैलरी करेली प्रयागराज के 6 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय कलाकार कार्यशाला एवं शिविर 2026 का भव्य शुभारम्भ एवं सफल समापन हुआ। शिविर का शुभारम्भ डॉ. जाहेदा खानम द्वारा दी गई 5 मिनट की अद्भुत नाइफ पेंटिंग डेमोंस्ट्रेशन से हुआ, जिसने सभी का दिल जीत लिया। विशेष आमंत्रित अतिथि कलाकारों में शामिल रहेः अनुपम कुमारी - अलीगढ़, डॉ. जुही शुक्ला - दिल्ली, तलत महमूद - प्रयागराज, राम रघुबीर मिश्रा - वाराणसी, जफर अली - मुम्बई सहित देश के अनेक क्षेत्रों से आए वरिष्ठ एवं नवोदित कलाकार। पुरस्कार एवं सम्मान पाने वालों में पांच हजार के चार नगद पुरस्कार - निदा अंसारी, अरबिया इसरार, शैफ़्ता एवं जफर अली को प्रदान किया गया। खदीजा बेगम स्कॉलरशिप एवं हमीदा खानम स्कॉलरशिप से नवोदित प्रतिभाओं को नवाजा गया। बेस्ट आर्टवर्क अवार्ड - डॉ. जुही शुक्ला, तलत महमूद, राम रघुबीर मिश्रा, डॉ अनुपम कुमारी, सुस्वेता सरकार, सानिया जावेद सहित अन्य वरिष्ठ प्रतिभागियों को दिया गया। इन्हें खानम आर्ट गैलरी में निःशुल्क ग्रुप शो का अवसर भी प्रदान किया गया। 15 अगस्त को 3 बच्चों को विशेष पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे। वरिष्ठ कलाकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग लखनऊ के सदस्य विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि सराहना की। गैलरी निदेशक डॉ. जाहेदा खानम ने अकादमी सदस्य रवीन्द्र कुशवाहा को बैच लगा एवं मैडल से सम्मानित किया तथा सभी अतिथियों एवं कलाकारों का स्वागत किया ।

आपदा प्रबंधन को लेकर प्रशासन अलर्ट, गांव–गांव चलेगा जागरूकता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) परमानंद झा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में आपदा मित्र एवं नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग कर आपदा प्रबंधन संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में प्राकृतिक आपदाओं से बचाव, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों तथा आमजन को जागरूक करने की रणनीति पर विशेष विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित सहायता, सतर्कता एवं जनजागरूकता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने आपदा मित्रों को निर्देशित किया कि वे गांव-गांव एवं स्कूल-स्कूल जाकर लोगों को प्राकृतिक आपदाओं के प्रति जागरूक करें तथा बचाव संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी, लू, आंधी, वर्षा एवं बाढ़ जैसी संभावित आपदाओं को देखते हुए सभी संबंधित विभागों एवं स्वयंसेवकों को पूर्ण सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जिलाधिकारी ने आपदा मित्रों एवं नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशिक्षित स्वयंसेवक आपदा के समय प्रशासन एवं जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि समय पर सूचना, प्राथमिक सहायता एवं राहत कार्यों में स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। बैठक में बाढ़, गर्मी एवं लू जैसी प्राकृतिक आपदाओं से बचाव हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही आमजन से ललसचेत ऐपल्ल एवं ललदामिनी ऐपल्ल डाउनलोड करने की अपील की गई, ताकि मौसम एवं आपदा संबंधी त्वरित सूचनाएं प्राप्त हो सकें। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने जनपद में आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने एवं प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया।

पिलखिनी में फाइलेरिया मरीजों को दिया गया स्वास्थ्य प्रशिक्षण, वितरित हुई एमएमडीपी किट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धमार्पुर ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पिलखिनी में मंगलवार को फाइलेरिया लिम्फोडिमा मरीजों के लिए रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता रोकथाम (एमएमडीपी) कैंप का आयोजन किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में आयोजित इस कैंप में सीएचओ श्रीमती लक्ष्मी विश्वकर्मा, डीओ पाथ अमरेश कुमार तथा क्षेत्रीय आशाओं की उपस्थिति में मरीजों को बीमारी से बचाव और प्रबंधन की जानकारी दी गई। कैंप में मरीजों को हाथ-पैर की नियमित साफ-सफाई, धुलाई, एक्सरसाइज, उचित आकार के चप्पल-सैंडल पहनने, कटने-जलने एवं चोट से बचाव तथा एक्यूट अटैक प्रबंधन के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मच्छरों से बचाव और उनकी रोकथाम के उपायों के प्रति भी जागरूक किया गया। प्रशिक्षण के बाद सभी 15 फाइलेरिया लिम्फोडिमा मरीजों को एमएमडीपी किट वितरित की गई। मरीजों ने बीमारी प्रबंधन संबंधी जानकारी और किट पाकर खुशी जताई। विशेषज्ञों ने बताया कि फाइलेरिया मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलने वाला संक्रामक रोग है, जिसका परजीवी वुचरेरिया बैंक्रॉफ्टी होता है। यह मच्छर रुके हुए पानी में पनपता है। बीमारी में हाथ, पैर, स्तन और अंडकोष में सूजन आ जाती है तथा कुछ मामलों में पेशाब का रंग दूधिया हो जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से नियमित साफ-सफाई, योग, व्यायाम और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है, ताकि फाइलेरिया संक्रमण और उसके दुष्प्रभाव को कम किया जा सके।

ईद-उल-अजहा का सार्वजनिक अवकाश अब 27 के बजाय 28 मई को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुक्रम में जौनपुर जिले में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के त्योहार पर सार्वजनिक अवकाश की तारीख में बदलाव किया गया है। अब जिले में 27 मई, 2026 (बुधवार) के स्थान पर 28 मई, 2026 (गुरुवार) को बकरीद का सार्वजनिक अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. ने बताया कि पूर्व में जारी अधिसूचना के तहत वर्ष 2026 के लिए बकरीद का अवकाश 27 मई को निर्धारित था, जो कि चंद्र दर्शन (चाँद दिखने) के आधार पर परिवर्तनीय था।चूंकि उत्तर प्रदेश में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार 28 मई, 2026 को मनाया जाएगा, इसलिए शासन के निर्णय के आलोक में पूर्व घोषित अवकाश को संशोधित कर दिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, दिनांक 28 मई, 2026 (दिन गुरुवार) को जिले के सभी संबंधित कार्यालयों और संस्थानों में बकरीद का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने किया विधायक रमेश चंद्र मिश्रा का सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा.) के तत्वावधान में शुक्ला मैरेज हॉल में क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्रा का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीपति उपाध्याय पूर्व ब्लाक प्रमुख बक्सा ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सचिव पं. अवध नारायण तिवारी एवं जयेंद्र कुमार शुक्ला वाराणसी मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ कार्यक्रम में विधायक रमेश चंद्र मिश्र का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज की एकजुटता, शिक्षा, संस्कृति एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने ब्राह्मण समाज की सहभागिता और संगठन की मजबूती पर बल दिया। वहीं जिले के जाने-माने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने अपनी वक्तव्य में ब्राह्मण एक जूटता पर बल देते हुए कार्यक्रम की खूब सराहना की वही उनके ओजस्वपूर्ण वक्तव्य को सुनकर लोगों ने खूब ताली बजाई इस मौके पर सुनील तिवारी जिला महामंत्री, रामसहाय पांडेय, पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी, रामदयाल द्विवेदी, रामजी तिवारी, अजय त्रिपाठी (संरक्षक), डॉ. ज्ञानप्रकाश मिश्र (प्राचार्य), कोल परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष पं. रविन्द्र मिश्रा, माला शुक्ला, प्रयास उपाध्याय, अनुज मिश्र कुसाव, विश्व हिन्दू परिषद के जिला उपाध्यक्ष कृष्णानंद उपाध्याय, शिव सहाय मिश्रा, संतोष मिश्र, अरविंद मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष सत्यसिल त्रिपाठी, दीपक पांडे, पंकज मिश्रा, सुंदरम दुबे, संजीव पाठक, कुशल पांडे, स्वयं मिश्रा, अश्वनी शुक्ला सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की व्यवस्था की सभी अतिथियों ने सराहना की। आयोजकों ने बताया कि समारोह में अपेक्षा से अधिक लोगों की उपस्थिति रही, जिससे पूरा हॉल खचाखच भरा रहा। अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज के हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया ।तत्वावधान में शुक्ला मैरेज हॉल में क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्रा का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीपति उपाध्याय पूर्व ब्लाक प्रमुख बक्सा ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सचिव पं. अवध नारायण तिवारी एवं जयेंद्र कुमार शुक्ला वाराणसी मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ कार्यक्रम में विधायक रमेश चंद्र मिश्र का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज की एकजुटता, शिक्षा, संस्कृति एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने ब्राह्मण समाज की सहभागिता और संगठन की मजबूती पर बल दिया। वहीं जिले के जाने-माने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने अपनी वक्तव्य में ब्राह्मण एक जूटता पर बल देते हुए कार्यक्रम की खूब सराहना की वही उनके ओजस्वपूर्ण वक्तव्य को सुनकर लोगों ने खूब ताली बजाई इस मौके पर सुनील तिवारी जिला महामंत्री, रामसहाय पांडेय, पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी, रामदयाल द्विवेदी, रामजी तिवारी, अजय त्रिपाठी (संरक्षक), डॉ. ज्ञानप्रकाश मिश्र (प्राचार्य), कोल परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष पं. रविन्द्र मिश्रा, माला शुक्ला, प्रयास उपाध्याय, अनुज मिश्र कुसाव, विश्व हिन्दू परिषद के जिला उपाध्यक्ष कृष्णानंद उपाध्याय, शिव सहाय मिश्रा, संतोष मिश्र सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की व्यवस्था की सभी अतिथियों ने सराहना की। आयोजकों ने बताया कि समारोह में अपेक्षा से अधिक लोगों की उपस्थिति रही, जिससे पूरा हॉल खचाखच भरा रहा। अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज के हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।